दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-43 भोपाल, शनिवार 25 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयत्न पूरे मन से नहीं हुआ। - अज्ञात

पंचांग

पौष कृष्णा षष्ठी , शनिवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:41
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	41 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,680

शेयर सूचकांक

बीएसई	57124.31	-190.97
निफ्टी	17003.75	-68.85

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा बोले : कोरोना के कारण टाले जाने चाहिये पंचायत चुनाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डाक्टर नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि कोरोना के मौजूदा हालात और तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए पंचायत चुनाव टालना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में चुनाव के चलते पहले भी कोरोना संक्रमण बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि चुनाव किसी की जिंदगी से बड़े नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 32 नए केस आए हैं। जिसमें इंदौर से 13, भोपाल से 7 और जबलपुर से 5 केस शामिल हैं।वर्तमान में प्रदेश में कुल एक्टिव केस 201, संक्रमण दर 0.05 फीसदी और रिकवरी रेट 98.60 फीसदी है। रात का कर्फ्यू फरि से राज्य में लगाने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज दोपहर 3 बजे मंत्रालय से समस्त मंत्रियों , प्रदेश के सभी संभागों के कमिश्नर, आईजी, जिला कलेक्टर, एसपी, , जिलो के प्रभारी अधिकारियों के साथ कोविड नियंत्रण की समीक्षा बैठक वीसी माध्यम से करेंगे ।

महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन का डर : नई गाइडलाइन जारी हो सकती है

नाइट कर्फ्यू और क्रिसमस-न्यू ईयर पार्टीज पर रोक की तैयारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकार आज से नई पाबंदियां लगा सकती है। शाम से पहले इसकी गाइडलाइन जारी होने के कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल, सरकार क्रिसमस और नए साल पर जुटने वाली भीड़ को लेकर चिंतित है। इसको देखते हुए नाइट कर्फ्यू, सीमित संख्या में पार्टीज और वर्कप्लेस पर भीड़ न जुटाने के आदेश दिए जा सकते हैं। कोविड टास्क फोर्स की गुरुवार देर रात तक चली बैठक में इस पर कई फैसले हुए हैं। CM उद्धव ठाकरे इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे।

डिप्टी सीएम बोले- नाइट कर्फ्यू पर विचार

राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी गंभीर हैं और पूरे देश में रात में लॉकडाउन लगाने का विचार राष्ट्रीय स्तर पर चल रहा है।

मुंबई में 600 के पार नए मरीज

एक ओर ओमिक्रॉन मरीजों की संख्या बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर मुंबई में हो रही रूटीन जांच में गुरुवार को 39423 टेस्टिंग में 602 नए कोविड मरीज मिले हैं। इससे पहले 6 अक्टूबर को 629 नए मरीज मिले थे। वहीं राज्य में 1179 नए मरीज मिले हैं। पिछले 24 घंटे में राज्य में 17 मरीजों ने दम तोड़ा है, जिसमें से एक मौत मुंबई में दर्ज की गई है। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या 7897 हो गई है, जिसमें से 2813 एक्टिव मरीज मुंबई के हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान मिले 1179 मरीज राज्य में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1179 नए मामले सामने आए, जिनमें से 23 मामले ओमिक्रॉन के हैं। इन मामलों में से 13 पुणे जिले से, पांच मुंबई से, दो उस्मानाबाद से और एक-एक ठाणे, नागपुर तथा मीरा भायंदर से सामने आया है। इसके अलावा राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमित 17 रोगियों की मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 66,53,345 हो गई है। मृतकों की कुल तादाद 1,41,392 तक पहुंच गई है।

सबसे अधिक 23 मरीज मिले

गुरुवार को एक दिन में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 23 मामले सामने आए। राज्य में ओमिक्रॉन के मामलों की संख्या अब 88 हो गई है। बुधवार को ओमिक्रॉन का कोई मामला सामने नहीं आया था। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या 7,897 है। बीते 24 घंटे में 615 लोग ठीक हुए। दिनभर में लगभग 1,10,997 सैंपलों की कोविड-19 जांच की गई।

पिंपरी-चिंचवाड़ में दर्ज होगा केस

क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले, पिंपरी चिंचवाड़ के नगर आयुक्त ने एक नए आदेश में कहा कि कोई भी व्यक्ति COVID पर राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उस पर IPC की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इसके तहत कम से कम 6 महीने की जेल या 1000 रुपए जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

पुणे में अखाड़ा मालिक को बदमाशों ने 6 गोलियां मारीं, सिर में 2 बुलेट लगने से मौत

पुणे। पुणे से सटे पिंपरी चिंचवाड़ के चाकण में हत्या की एक दिल दहला देने वाली वारदात CCTV कैमरे में कैद हुई है। यहां घर के बाहर कार में बैठे एक शख्स को तीन अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से छलनी कर दिया। वे उस पर तब तक गोलियां चलाते रहे, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान नागेश कराले के रूप में हुई है। हत्यारों ने नागेश को 6 गोलियां मारी हैं। इनमें से दो गोली उनके सिर में भी लगीं और मौके पर उन्होंने दम तोड़ दिया। नागेश एक अखाड़ा चलाते हैं। वारदात शेलपिम्पल गांव में गुरुवार रात 10 बजे के आसपास हुई है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। हत्या के CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछले एक सप्ताह के दौरान पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस कमिश्नरेट में हुई हत्या की यह तीसरी वारदात है।

कपूरथला में हुई थी मॉब लिंचिंग:चन्नी बोले- बेअदबी का कोई सबूत नहीं

कपूरथला। कपूरथला के निजामपुर मोड़ गुरुद्वारे में बेअदबी नहीं, बल्कि युवक की हत्या की गई थी। यह दावा पंजाब के CM चरणजीत सिंह चन्नी ने किया है। उन्होंने शुक्रवार को चंडीगढ़ में कहा कि इस मामले में जल्द ही हत्या का केस दर्ज किया जा रहा है। ष्टरूचन्नी के ऐलान के बाद पंजाब पुलिस ने गुरुद्वारे के केयर टेकर अमरजीत सिंह को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। अमृतसर के बाद कपूरथला में इस तरह के मामले आने से पंजाब पुलिस और राज्य सरकार की खासी किरकिरी हुई थी। शुरुआत में कपूरथला की घटना को बेअदबी का रूप देने की कोशिश हुई।

भाजपा विधायक ने जया बच्चन को नर्तकी कहा : सुरेंद्र सिंह बोले-

पहले साधु और संत ही आशीर्वाद या श्राप देते थे, अब नर्तकी भी देने लगी हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बलिया

बलिया में BJP विधायक सुरेंद्र सिंह ने सपा सांसद जया को नर्तकी कहा है। सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पहले तो त्यागी, तपस्वी, साधक और साधु-संत ही आशीर्वाद या श्राप दिया करते थे, लेकिन अब नर्तकी भी श्राप देने लगी हैं। यही कलयुग का असली स्वरूप है। राज्यसभा में मंगलवार को सांसदों के निलंबन और निजी टिप्पणी से नाराज होकर सपा सांसद जया बच्चन ने कहा था- मैं आपको श्राप देती हूं, आपके बुरे दिन आएंगे। जया ने कहा था कि हमारे सांसद बाहर बैठे हैं। उनका निलंबन वापस नहीं हो रहा। यह न्याय नहीं है, लेकिन इस सरकार से यह उम्मीद करना बेकार है। जया बच्चन ने कहा था कि इन लोगों ने किसान से माफी मांगी है। अब इन सांसदों से भी माफी मांगेंगे। जिस तरह से ये सरकार काम कर रही है। वह निंदनीय है। इसी के बाद से जया भाजपा नेताओं के निशाने पर हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा 70 साल की उम्र में शादी करने को लेकर भी सुरेंद्र सिंह ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होनी चाहिए, लेकिन इसके साथ ही साथ एक और कानून बनाना चाहिए कि 50 साल के बाद पुरुषों को भी शादी नही करनी चाहिए।

समाजवादी इत्र के कारोबारी के घर मिले 150 करोड़

IT टीम ने खोजे अलमारियों में रखे नोटों के बंडल, गिनती के लिए 4 मशीनें कम पड़ीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कानपुर

कानपुर के इत्र कारोबारी और सपा नेता पीयूष जैन के घर से इनकम टैक्स को 150 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम मिली है। गुरुवार दोपहर को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम ने जैन के घर पर रेड डाली थी। आनंदपुरी इलाके में पीयूष जैन के घर में बड़े-बड़े कार्टन्स में नोट भरे मिले हैं। इसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। खास बात यह है कि पीयूष जैन अखिलेश यादव के करीबी हैं और उन्होंने पिछले दिनों समाजवादी इत्र लॉन्च किया था। छापे के जो फोटो सामने आए, उनमें दिख रहा है कि अलमारी में कार्टन में भरकर नोट रखे गए थे। 500 रुपए के नोटों की गड्डियों के बंडल बनाकर पूरा कैश रखा गया था। इन बंडलों को ऐसे पैक कर रखा गया था कि इन्हें आराम से कहीं भी कोरियर किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि ङ्कञ्ज की टीम नोट गिनने की चार मशीनें लेकर पहुंची थी। शुक्रवार सुबह एसबीआई की कल्याणपुर ब्रांच से नोट गिनने के लिए 2 मशीनें और बुलाई गई है। गुरुवार शाम 6 बजे से यहां नोटों की गिनती जारी है।

अखिलेश के करीबी है पीयूष जैन

कारोबारी पीयूष जैन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी हैं। कुछ दिनों पहले ही पीयूष जैन ने समाजवादी पार्टी नाम से इत्र लांच किया था। इसको लेकर वह सुर्खियों में भी रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पीयूष जैन की करीब 40 कंपनियां हैं। इनमें कई शैल कंपनियां भी शामिल हैं। इन कंपनियों के जरिए टैक्स चोरी की गई है। कन्नौज में इत्र बनता है और मुंबई में इनका शोरूम है। जहां से इत्र देश और विदेशों में सप्लाई होता है। बुधवार को शिखर पान मसाला के यहां त्रस्ज्ञ और इनकम टैक्स की छापेमारी हुई थी।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

न्यूज ब्रीफ

मंत्रालय में सुशासन की शपथ दिलायी गयी

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह एवं सामान्य प्रशासन राज्य-मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने मंत्रालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में प्रातः 11 बजे अधिकारी और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। मंत्री द्वय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण भी किया। सुशासन के उच्चतम मापदण्डों को स्थापित करने के लिये संकल्पित रहकर शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जन-कल्याण केन्द्रित और जवाबदेह बनाने के प्रयास करने का संकल्प दिलाया गया। अपर मुख्य सचिव श्री विनोद कुमार, श्री एस.एन.मिश्र, प्रमुख सचिव श्रीमती दीप्ति गौड़ मुखर्जी, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, श्री संजीव झा, श्री उमाकांत उमराव सहित मंत्रालय, सतपुड़ा एवं विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदेश में बाल संरक्षण के क्षेत्र में किये गये नवाचारों की केन्द्र ने की सराहना

भोपाल। सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नई दिल्ली श्री इंदीवर पाण्डे की अध्यक्षता में आज गुरूवार को वर्चुअल माध्यम से प्रोजेक्ट एप्रुवल बोर्ड की बैठक संपन्न हुई। सचिव श्री पाण्डे मध्यप्रदेश में बाल संरक्षण के क्षेत्र में किये गये नवाचारों, कोविड-19 महामारी के दौरान किये गये विशेष प्रयासों की सराहना की। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्री अशोक शाह ने प्रदेश में बाल संरक्षण के क्षेत्र में किये गये प्रमुख कार्यों एवं नवाचारों का प्रस्तुतिकरण किया। अपर मुख्य सचिव श्री शाह ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना से लाभांवित 1365 हितग्राहियों को नियमित 5 हजार रूपये मासिक आर्थिक सहायता, खादय सुरक्षा और शिक्षा संबंधी सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बतायाकि प्रदेश में कोविड-19 महामारी के दौरान माता या पिता किसी एक की मृत्यु से प्रभावित परिवारों के 2516 बच्चों को निजी स्पांसरशिप के तहत लाभांवित किया गया है। समेकित बाल संरक्षण योजना (मिशन वात्सल्य) के वर्ष 2021-22 के वित्तीय प्रस्ताव की स्वीकृति दी गई। साथ ही प्रदेश में प्रस्तावित 4 नवीन बाल देख-रेख संस्थाओं को अनुदान दिये जाने की भी स्वीकृति दी गई। प्रदेश में शासकीय बाल देख-रेख संस्थाओं में स्पोर्ट एरिया विकसित करने के लिये 15 लाख रूपये तथा पीएम केयर्स योजना में स्वीकृत हितग्राहियों को 2 हजार रूपये प्रतिमाह की स्पांसरशिप राशि की स्वीकृति प्रदान की गई।

जल संसाधन विभाग बनाएगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट और विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने गुरूवार को कोलार स्थित दामखेड़ा में स्टेडियम के लिए स्थल का निरीक्षण किया। यहाँ पर जल संसाधन विभाग 8 करोड़ रूपये की लागत से स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण करेगा। इसमें स्वीमिंग, बैडमिंटन, बास्केटबॉल के साथ अन्य स्पोर्ट्स गतिविधियाँ संचालित होंगी। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा और कोलार क्षेत्र को स्पोर्ट्स स्टेडियम की सुविधा भी मिलेंगी। स्थल निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता श्री मदन सिंह डावर, मुख्य अभियंता श्री शर्मा और विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया संजीवनी-2021 स्मारिका का विमोचन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में भाई उद्धव दास मेहता स्मृति न्यास द्वारा प्रकाशित स्मारिका संजीवनी-2021 का विमोचन किया। स्मारिका के संपादक वैद्य श्री गोविंद दास मेहता उपस्थित थे। स्मारिका में आयुर्वेद पर केंद्रित लेख, जीवनशैली जनित रोगों के उपचार और जीवन प्रबंधन पर लेखों का संकलन है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के सरल और सर्व सुलभ उपाय उपलब्ध है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए इस संबंध में जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जीवन सार्थक फाउंडेशन के सदस्यों के साथ स्मार्ट उद्यान में पौध - रोपण किया।

मप्र में मेट्रो प्रोजेक्ट

भोपाल-इंदौर में मेट्रो का काम सिर्फ 2 फीसदी हुआ पूरा, खर्च हो गए 492 करोड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट दो प्रतिशत ही काम हुआ और उसमें 492 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इस संबंध में आज विधानसभा में आए सवाल के लिखित उत्तर में बताया गया है कि यह कार्य समयावधि में पूरा किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। विधायक जीतू पटवारी के प्रश्न के लिखित उत्तर में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने लिखित उत्तर में बताया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना का 2.03 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वहीं, इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का काम 1.02 प्रतिशत पूरा हो गया है। नवंबर 2021 की स्थिति में कार्य प्रगति पर है और कार्य समयावधि में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। उत्तर में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में 30 नवंबर 2021 तक 330.42 करोड़ रुपए और इंदौर मेट्रो परियोजना में 161.96 रुपए कुल 492. 38 करोड़

रुपए की राशि व्यय की जा चुकी है। इस प्रश्न के उत्तर में बताया गया कि इंदौर शहर के पास से दो एक्टिव भूगर्भीय फाल्ट गुजर रहे हैं। इंदौर में मेट्रो पियर की बुनियाद के लिए राक का स्तर सामान्यत .06 से 18 मीटर नीचे भूगर्भीय सर्वेक्षण के आधार पर किया गया है।

पहले रूट पर ही काम, बाकी रूटों की तैयारी भी शुरू नहीं हुई

मेट्रो का पहला रूट 16.05 किलोमीटर का है, जो एम्स से करोंद तक है। इसमें से आठ किमी एम्स से सुभाष नगर तक काम भी तेजी से चल रहा है। यह काम लगभग 60 फीसदी तक पूरा हो चुका है। बाकी सुभाष नगर से करोंद के बीच का काम शुरू नहीं हो पाया है। इस रूट में अधिकांश हिस्सा अंडरग्राउंड है। इसलिए काम शुरुआती दौर पर ही है। फिलहाल सुभाष नगर आरओबी के पास से अस्थायी दुकानें व झुग्गियां हटाई गई हैं। दूसरी ओर रत्नागिरी से भदभदा चौराहे तक बनने वाले दूसरे रूट तैयारी अब तक शुरू नहीं हो पाई है। इस तरह लगता नहीं कि शहर में मेट्रो का काम अगले पांच साल में पूरा हो पाएगा।

जमीन अधिग्रहण से जुड़े मामले कोर्ट में

भोपाल मेट्रो के काम को लेकर अब तक एकमुश्त राशि जारी नहीं की गई है। जमीन अधिग्रहण से जुड़े कुछ मामले कोर्ट में चल रहे हैं। इनका निराकरण होने तक मेट्रो का काम पूरा नहीं हो सकता है। हालांकि, मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी सारे मामलों का निराकरण होने की बात कह रहे हैं। 7 साल पहले 2014 में भोपाल मेट्रो की लागत 6941 करोड़ आंकी गई थी। इन 7 साल में डॉलर की कीमत बढ़ी है। वहीं, कंस्ट्रक्शन मटेरियल में भी खासी वृद्धि हुई है। जिस तेजी से पेट्रोलियम व अन्य चीजों के दाम बढ़ रहे हैं, ऐसे में प्रोजेक्ट लागत कुल 30 फीसदी तक बढ़ने की आशंका है। यानी लगभग 2100 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ यह 9000 करोड़ से अधिक हो जाएगी। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार का बजट और मेट्रो के लोन आदि का गणित बिगड़ना स्वाभाविक है।

मंत्री सारंग ने रोशनबाग की सभी गलियों के सीसी रोड निर्माण हेतु किया भूमिपूजन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नरेला क्षेत्र के वार्ड 39 के रोशनबाग की सभी गलियों के सीसी रोड का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही निर्माण कार्य पूर्ण कराया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आज नरेला की हर सड़क पक्की बन चुकी है। नरेला का खुद का ड्रेनेज सिस्टम है। नालों का चैनलाइजेशन किया गया है। इससे अब नरेला क्षेत्र की बस्तियों में बरसात का पानी नहीं भरता है। उन्होंने कहा कि नरेला के समग्र विकास के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। विकास एक सतत प्रक्रिया है इसलिए लोगों की आवश्यकतानुसार विभिन्न क्षेत्रों में सतत विकास कार्य जारी है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सड़क, बिजली, पानी और जल निकास को लेकर क्षेत्र में बहुत कार्य हुए हैं। पार्कों का उन्नयन, व्यायाम शालाएं, सामुदायिक भवनों और खेल मैदानों का भी विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल के नरेला क्षेत्र में ही थीम आधारित पार्कों का निर्माण कराया गया है। उनमें नर्मदा पार्क और स्वामी विवेकानंद पार्क प्रमुख हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए क्षेत्र में फ्लाई ओवर्स का निर्माण कराया जा रहा है। दो फ्लाई ओवर्स पर यातायात शुरू हो चुका है। सुभाष नगर फ्लाई ओवर भी बनकर तैयार है। जल्द ही इसका लोकार्पण होगा और यातायात सुगम हो जायेगा। देवकी नगर करोंद में फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य चल रहा है, वह भी जल्दी बनकर तैयार हो जायेगा।

आयुष राज्य मंत्री श्री कावरे ने भोपाल के आयुर्वेद चिकित्सालयों का किया अकास्मिक निरीक्षण

» व्यस्थाओं को और चुस्त-दुरूस्त करने के दिए निर्देश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

आयुष राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्री राम किशोर कावरे ने आज भोपाल स्थित पंडित खुशीलाल चिकित्सालय और जिला चिकित्सालय का अकास्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों को व्यवस्थाओं को और चुस्त-दुरूस्त किये जाने के निर्देश दिए। आयुष राज्य मंत्री श्री कावरे ने पंडित खुशीलाल शर्मा चिकित्सालय पहुँच कर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने विभिन्न वार्डों में ईलाज करा रहे मरीजों से बातचीत भी की। राज्य मंत्री ने चिकित्सालय में उपलब्ध दवाइयों के स्टॉक की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिए। आयुष राज्य मंत्री ने महाविद्यालय परिसर में प्रस्तावित गर्लस हॉस्टल भूमि और केंटीन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को तत्काल शुरू किये जाने के निर्देश दिए। आयुष राज्य मंत्री ने शिवाजी नगर स्थित जिला आयुर्वेद अस्पताल का भी अकास्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों और कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर को भी देखा।राज्य मंत्री श्री कावरे ने जिला चिकित्सालय परिसर में निर्मित हर्बल गार्डन को भी देखा। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि हर्बल गार्डन में कम से कम 50 औषधि पौधे लगाएँ जाये और उन पौधों से होने वाले फायदों की जानकारी सार्वजनिक प्रदर्शित की जायें, जिससे जन-सामान्य में जागरूकता आयें। राज्य मंत्री ने ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सकों की जानकारी जिला अस्पताल के नोटिस बोर्ड में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किये जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 卐मास्टर ऑफ लाइफ मैनेजमेंट पुस्तक का विधानसभा स्थित कार्यालय में विमोचन किया। डॉ. दंतु मुरली कृष्णा द्वारा लिखित यह पुस्तक भगवत गीता की शिक्षाओं पर आधारित है। पुस्तक में युवाओं और छात्रों के लिए जीवन प्रबंधन पर उपयोगी लेख हैं। पुस्तक विमोचन के मौके पर लेखक डॉ. दंतु मुरली कृष्ण की माताजी श्रीमती डॉ. सूर्य कृष्णा भी उपस्थित रही।

न्यूज ब्रीफ

कार्ड डिटेल्स सेव होती रहेगी

आरबीआई जनवरी 2022 से नहीं लागू करेगा टोकेनाइज सिस्टम, 6 महीने बढ़ाया समय

भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्ड पेमेंट के टोकेनाइजेशन को 6 महीने के लिए आगे खिसका दिया है। अब यह जून के बाद लागू किया जाएगा। इसके पहले इसे एक जनवरी 2022 से शुरू किया जाना था।

देर रात जारी किया आदेश

गुरुवार की देर रात रिजर्व बैंक ने इस संबंध में आदेश जारी किया। इसने कहा कि मर्चेंट्स अब जून तक कार्ड के डेटा को स्टोर कर सकते हैं। आदेश को आगे इसलिए बढ़ाया गया, क्योंकि मर्चेंट्स ने इसके लिए समय मांगा था। RBI ने कहा कि तमाम रिप्रजेंटेशन को मिलने के बाद यह फैसला किया गया है कि कार्ड ऑन फाइल के स्टोर करने के समय को 6 महीने बढ़ाया जाएगा।

डेटा स्टोर करने से बचे इंडस्ट्री

रिजर्व बैंक ने इसी के साथ इंडस्ट्री को कहा है कि वह ग्राहकों के डेटा को स्टोर करने से बचे और इसके लिए मैकेनिज्म का निर्माण करे। मार्च 2020 में सेंट्रल बैंक ने कहा था कि ऑन लाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए ग्राहकों के कार्ड के डेटा को स्टोर न किया जाए। इसके लिए जून 2021 तक का समय दिया गया था। हालांकि, इंडस्ट्री ने समय बढ़ाने की मांग की तो इसे जनवरी तक बढ़ाया गया। पर अब एक बार फिर इसे बढ़ाने की इंडस्ट्री की मांग पूरी हो गई है।

टोकन सिस्टम लाने की योजना

दरअसल, ऑनलाइन पेमेंट के लिए अब टोकन सिस्टम लाए जाने की योजना है। इसके तहत कार्ड के जरिए ट्रांजेक्शन में कार्ड जारी करने वाले बैंक या कार्ड नेटवर्क के अलावा कोई अन्य वास्तविक कार्ड डेटा स्टोर नहीं करेगा। ट्रांजेक्शन ट्रैकिंग या विवाद की स्थिति में समझौते के लिए पेमेंट एग्रीगेटर सीमित डेटा स्टोर कर सकेंगे। वास्तविक कार्ड नंबर और कार्ड जारीकर्ता के नाम के आखिरी 4 अंक तक स्टोर करने की छूट होगी। अन्य जानकारी कोई भी पेमेंट एग्रीगेटर नहीं रख सकेगा।

क्या है कार्ड टोकन सिस्टम

आपको अपने कार्ड की डिटेल्स किसी भी थर्ड पार्टी ऐप के साथ शेयर नहीं करनी पड़ेगी। अभी ऐसा नहीं है, अभी अगर आप ऑनलाइन खाना मंगवाते हैं या कैब बुक करते हैं तो आपको कार्ड की डिटेल देनी होती है और यहां ग्राहक के कार्ड की पूरी डिटेल्स सेव हो जाती है। जहां फ्रॉड होने का खतरा बना रहता है। टोकन सिस्टम से ऐसा नहीं होगा। आसान भाषा में इसे समझें तो टोकन में आपको अपनी कार्ड डिटेल्स को डालने की जरूरत नहीं होती है, इसकी जगह पर एक यूनीक ऑल्टरनेट नंबर होता है जिसे टोकन कहते हैं, जो आपके कार्ड से लिंक होता है। जिसके इस्तेमाल से आपकी कार्ड डिटेल्स सुरक्षित रहती है।

मप्र-छग में जियो का दबदबा : कंपनी के 3.71 करोड़ ग्राहक हुए मार्केट शेयर में भी सबसे ऊपर; एयरटेल और वीआई को नुकसान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के लिए टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने मोबाइल ग्राहकों के आकंड़े जारी कर दिए हैं। ट्राई के आकंड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2021 में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में मोबाइल ग्राहकों के मामले में रिलायंस जियो पहले स्थान पर कायम है। अक्टूबर 2021 में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 8 करोड़ के करीब पहुंच गई है। सर्किल में कुल 7.93 करोड़ मोबाइल ग्राहक हो चुके हैं। ट्राई के मुताबिक, अक्टूबर 2021 में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में जियो ने सर्वाधिक 5.4 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े। सर्किल में जियो के ग्राहकों की संख्या 3.71 करोड़ हो चुकी है। अक्टूबर 2021 में पूरे देश में कुल 116.6 करोड़ मोबाइल ग्राहक हैं। इसमें जियो के 42.6 करोड़, एयरटेल के 35.3 करोड़ और वोडाफोन-आइडिया के 26.9 करोड़ ग्राहक हैं। [illegible] के ग्राहकों की संख्या 11.3 करोड़ है।

मार्केट शेयर और रेवेन्यू में भी जियो का दबदबा

मार्केट शेयर के हिसाब से देखें तो जियो मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में 46.8 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर है। वहीं वोडाफोन आइडिया की हिस्सेदारी 26.1 फीसदी, एयरटेल की हिस्सेदारी 19.5 और [illegible] की 7.6 फीसदी हिस्सेदारी है सितंबर तिमाही के रेवेन्यू मार्केट शेयर के आंकड़ों में भी जियो का दबदबा कायम है। वित्तवर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में रिलायंस जियो की कुल आय 1616 करोड़ रही। वहीं इस दौरान एयरटेल की आय 681 करोड़ और वोडाफोन आइडिया की 566 करोड़ रुपए रही। [illegible] की कुल आय सितंबर 2021 की तिमाही में 92.29 करोड़ रुपए रही।

एयरटेल और Vi को नुकसान हुआ

अक्टूबर में एयरटेल के मोबाइल ग्राहक 11.2 हजार घटकर 1.54 करोड़ हो गए। वोडाफोन आइडिया ने 63.7 हजार ग्राहक खोए हैं। अब सर्किल में वोडा-आइडिया के 2.07 करोड़ ग्राहक हैं। BSNL के ग्राहक भी घटे हैं। BSNL के ग्राहक 2145 घटकर 60.05 लाख हो गए।

जी-सोनी मर्जर के हर सवाल का जवाब

75 चैनल, 2 ओटीटी से मिलकर बनेगा देश का सबसे बड़ा नेटवर्क

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जी और सोनी को देश का कौन-सा घर नहीं जानता। 26 साल से दोनों अलग-अलग थे। अब एक हो रहे हैं। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड, यानी ZEEL और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया, यानी SPN के मर्जर को बोर्ड की मंजूरी मिल गई। इस मर्जर के बाद 26.7 फीसदी व्यूअरशिप के साथ जी+सोनी देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क होगा। हिंदी सिनेमा में भी इसकी 63 फीसदी हिस्सेदारी होगी। अभी देश में नंबर-1 पर स्टार-डिज्नी नेटवर्क है। इसके पास 18.6 फीसदी व्यूअरशिप है। जी और सोनी के मर्जर में 8 से 10 महीने का वक्त लग सकता है। इस नई कंपनी के पास 75 टीवी चैनल, 2 वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विसेज, 2 स्टूडियो और एक डिजिटल कंटेंट स्टूडियो होगा। चर्चा तो ये भी है कि जी और सोनी मिलकर आईपीएल के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स लेने पर भी दांव लगा सकते हैं।

जी-सोनी का मर्जर क्यों हुआ

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लंबे समय से इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में हैं। कंपनी ने भारत में 1995 में अपना पहला टीवी चैनल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन लॉन्च किया था। कंपनी अपने बिजनेस को बहुत ज्यादा एक्सपेंड नहीं कर पा रही थी। वहीं [illegible] ने अपना पहला चैनल जी टीवी 2 अक्टूबर 1992 में लॉन्च किया था। [illegible] पर लंबे समय से एस्सेल ग्रुप का कंट्रोल था, लेकिन एस्सेल पर अपने खुद के 2.4 अरब डॉलर (17,000 करोड़ रुपए) के कर्ज का बोझ था। दोनों कंपनियों को अब इस मर्जर के बाद बड़ा और डायवर्स ऑडियंस बेस मिलेगा।

मर्जर से दोनों कंपनियों को क्या फायदा होगा

नई कंपनी के पास 26.7 फीसदी व्यूअरशिप शेयर होगा। हिंदी सिनेमा में भी 63 फीसदी हिस्सेदारी हो जाएगी। अभी स्टार-डिज्नी के पास सबसे ज्यादा 18.6 फीसदी व्यूअरशिप शेयर है। सोनी नेटवर्क को 2.6 लाख घंटे का जी का टेलीविजन कंटेंट मिलेगा। साथ ही अलग-अलग भाषाओं की 4800 से ज्यादा फिल्मों की लाइब्रेरी तक भी पहुंच बन जाएगी। जी अभी स्पोर्ट्स जॉनर में नहीं है, लेकिन अब उसकी सोनी के 10 स्पोर्ट्स चैनलों तक पहुंच हो जाएगी। इनमें सोनी सिक्स, सोनी टेन 1, सोनी टेन 2 और सोनी 3 और रीजनल चैनल टेन 4 शामिल हैं। मर्जर से इनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ेगी और रेवेन्यू भी।

ये कितना बड़ा नेटवर्क होगा

जी के पास 49 और सोनी के पास 26 टीवी चैनल हैं। नई कंपनी के पास कुल 75 चैनल हो जाएंगे। दो वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विसेज , दो स्टूडियो और Sony Pictures Films India) और एक डिजिटल कंटेंट स्टूडियो भी होगा। जी 190+ देशों में मौजूद है और दुनियाभर में 1.3 अरब लोगों तक इसकी पहुंच है। अकेले भारत में यह हर हफ्ते 60 करोड़ लोगों तक पहुंचता है। वहीं, सोनी की रीच 167 देशों में 70 करोड़ लोगों तक है।

मूल्य कमी भुगतान योजना की प्रगति की जांच

नई दिल्ली

तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त करने के बाद अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी ही चर्चा के केंद्र में है इसीलिए विरोध करने वाले किसानों की मांग पूरी करने के लिए विभिन्न विकल्पों की पेशकश की जा रही है। विभिन्न टिप्पणियों में जिन योजनाओं का बार-बार जिक्र किया गया है उनमें से एक है मूल्य कमी भुगतान योजना (पीडीपीएस)। यह कुछ साल पहले मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई भावांतर भुगतान योजना (बीबीवाई) की तर्ज पर ही है। इसमें किसानों को फसलों की खरीद के बिना न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बेचने की भरपाई करनी थी। पीडीपीएस, सितंबर 2018 में शुरू की गई प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना का ही एक हिस्सा है। इस योजना में तीन पहलू शामिल हैं, पहली, मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), दूसरा, पीडीपीएस और तीसरा निजी खरीद और स्टॉकिस्ट योजना (पीपीपीएस) का पायलट परीक्षण शामिल है और यह तिलहन, दलहन और मोटे अनाज के लिए है। पीएम-आशा के तहत राज्य सरकार के अनुरोध पर खरीद की जाती है और राज्य में फसल की खरीद, कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत हिस्से तक सीमित है। अगर किसी जिंस का इस्तेमाल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) या किसी अन्य राज्य कल्याण योजना के लिए किया जाता है तो इसका विस्तार 40 प्रतिशत तक किया जा सकता है।

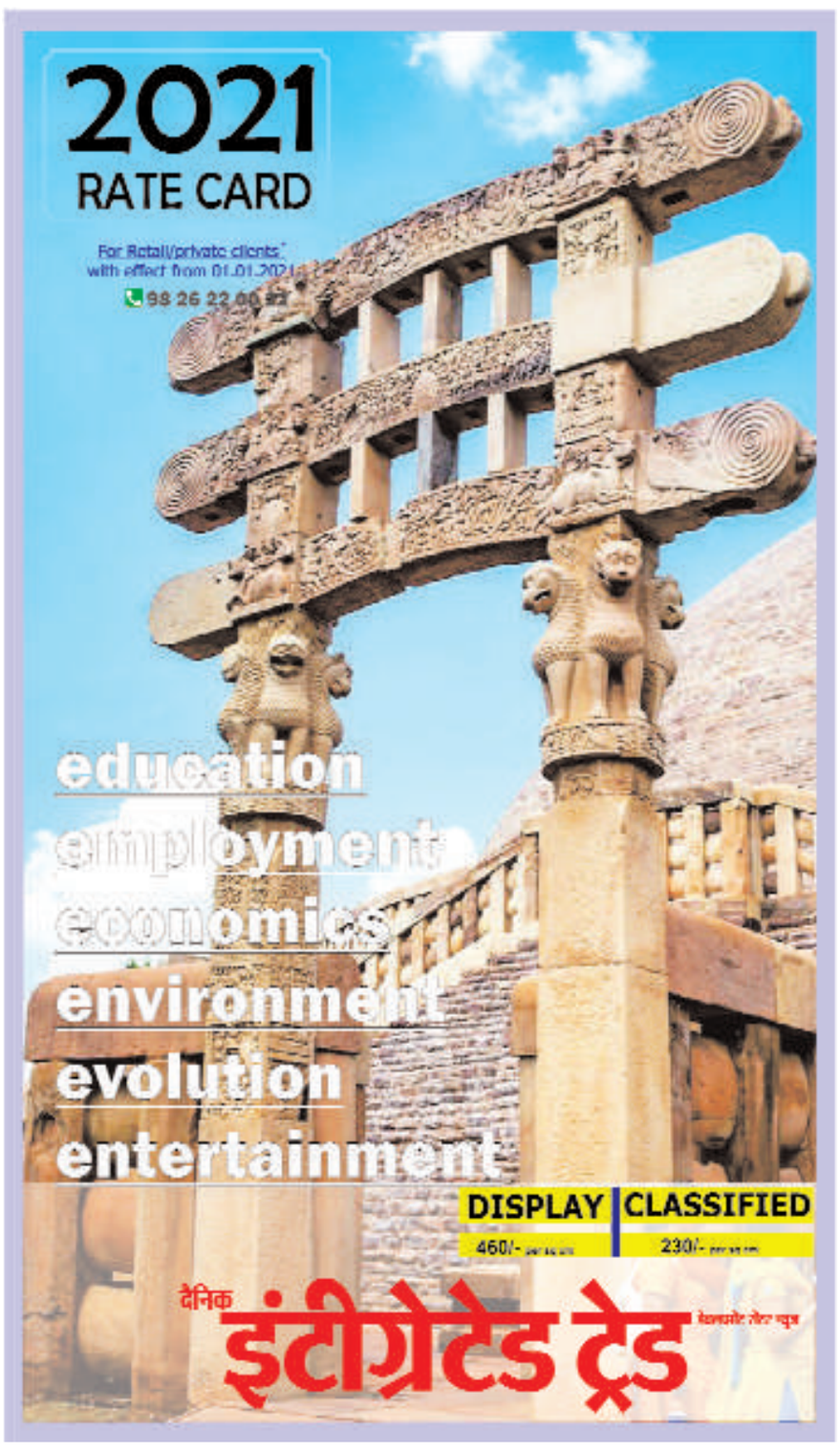

35 आईपीओ को सेबी की मंजूरी : डाटा पार्टनर्स ने दिया 48 फीसदी का फायदा, शेयर 864 रुपए पर लिस्ट

33 कंपनियों ने जमा किया मसौदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिन	शेयर	IPO भाव	लिस्टिंग भाव
सोमवार	श्रीराम प्रॉपर्टीज	118	99
मंगलवार	CE इंफो	1033	1394
बुधवार	मेट्रो ब्रांड्स	500	493
गुरुवार	मेडप्लस	796	1120
शुक्रवार	डाटा पार्टनर्स	585	864

डाटा पार्टनर्स ने निवेशकों को 8 दिन में 48 फीसदी का फायदा दिया है। इसका शेयर आज स्टॉक एक्सचेंज पर 864 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसने आईपीओ में 585 रुपए का भाव रखा था। डाटा पार्टनर्स का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 47.69 फीसदी ऊपर 864 पर जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ([illegible]) पर 856 रुपए पर लिस्ट हुआ। ग्रे मार्केट में इसका स्टॉक 320-325 रुपए के प्रीमियम पर कारोबार कर रहा था और उसी के करीब यह लिस्ट हुआ है। इसका आईपीओ 14 से 16 दिसंबर के बीच खुला था। कंपनी ने आईपीओ से 588 करोड़ रुपए जुटाए थे।

इश्यू में भाव 555 से 585 रुपए था

आईपीओ में इसका भाव 555 से 585 रुपए था। अलॉटमेंट के दौरान इसका अंतिम मूल्य 585 रुपए तय किया गया। इसे 120 गुना का रिस्पांस मिला था। संस्थागत निवेशकों ([illegible]) का हिस्सा 191 गुना और हाई नेटवर्थ निवेशकों ([illegible]) का हिस्सा 254 गुना भरा था। रिटेल निवेशकों ने अपने हिस्से का 23 गुना निवेश किया था।

डिफेंस सेक्टर की है कंपनी

डाटा पार्टनर्स डिफेंस और एरोस्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की कंपनी है। इसके पास मजबूत ऑर्डर बुक है। चेन्नई की इस कंपनी के पास डिफेंस के सभी स्पेक्ट्रम के प्रोडक्ट हैं। इस हफ्ते हर दिन एक शेयर की लिस्टिंग हुई थी। सोमवार से शुक्रवार के बीच कुल 5 कंपनियों के शेयर लिस्ट हुए। इसमें से कुछ घाटे में रहे तो कुछ फायदे में रहे। मेडप्लस की लिस्टिंग कल हुई थी। इसका इश्यू का भाव 795 रुपए था जबकि लिस्टिंग 1,120 रुपए पर हुई थी। यानी इसमें 41 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को मिला था। जबकि मेट्रो ब्रांड और श्रीराम प्रॉपर्टीज ने घाटा दिया था। [illegible] इंफो का शेयर 35 फीसदी ऊपर लिस्ट हुआ था। रेटगेन का शेयर पिछले हफ्ते लिस्ट हुआ था और इसने 20 फीसदी का घाटा दिया। इस साल जनवरी से लेकर अब तक कुल 63 कंपनियां बाजार में आई हैं। यह सभी मिलाकर बाजार से 1.19 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। 2020 की तुलना में यह आंकड़ा 4.5 गुना ज्यादा है। 2020 में कुल 15 कंपनियों ने 26,613 करोड़ रुपए जुटाए थे।

अगर योगी हार गए!

मित्रों, आपने भी पढ़ा होगा कि ईसा से 326 साल पहले भारत पर सिकंदर ने हमला किया था लेकिन वो पंजाब तक भी नहीं पहुँच सका था क्योंकि तब भारतीयों को अहिंसा की बीमारी नहीं लगी थी. सिकंदर को एक-एक इंच जमीन के लिए उसी तरह लड़ना पड़ा था जैसे कालांतर में पूरे यूरोप पर कब्ज़ा करनेवाले नेपोलियन को स्पेन में एक-एक ईंच के लिए जूझना पड़ा था. परिणाम यह हुआ कि जो सिकंदर मस्तक गर्वोन्नत करके तूफ़ान की तरह भारत आया था बगुले की तरह सर झुकाए अपने देश लौट गया. फिर उसके कुछ ही समय बाद सिकंदर के सेनापति रहे सेल्यूकस ने भारत पर आक्रमण किया लेकिन उसे करारी हार का सामना करना पड़ा क्योंकि तब उसे पहले से भी ज्यादा जनप्रतिरोध का सामना करना पड़ा था. फिर कई दशकों के बाद मगध के सिंहासन पर सम्राट अशोक बैठे जिन्होंने बौद्धों के बहकावे में आकर देश की जनता को अहिंसा की घुट्टी जमकर पिलाई. परिणाम यह हुआ कि उसकी मृत्यु के बाद भारत छोटे-मोटे आक्रमणों का भी जवाब नहीं दे पाया और अंतत: 1192 में दिल्ली पर मुसलमानों का कब्ज़ा हो गया. फिर सैंकड़ों सालों तक हिन्दुओं का नरसंहार और मंदिरों का विध्वंस चलता रहा. ज्यादातर हिन्दू कोऊ नृप होए हमें का हानि के मूलमंत्र पर चलते रहे. कुछेक क्षेत्रों में जैसे मालवा, राजस्थान, पूर्वोत्तर भारत, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र आदि में यद्यपि हिन्दुओं ने कभी हिम्मत नहीं हारी लेकिन आक्रमणकारियों को वो देश से बाहर नहीं निकाल पाए. मित्रों, फिर आया 23 जून, 1757 का दिन. बंगाल के प्लासी में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला और ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना आमने-सामने थी. जितने लोग लड़ रहे थे उससे कई गुना लोग दर्शक बनकर उपस्थित थे. देश के भाग्य का फैसला हो रहा था लेकिन लोगों के लिए जैसे यह कोई तमाशा था. फिर भगदड़ मची और सिराज के अधिकतर सैनिकों ने पाला बदल लिया. कुछ सौ अंग्रेज भारतीयों के लालच और भारतीय जनता की तटस्थता से लाभ उठाकर पूरे बंगाल, उड़ीसा और बिहार पर अधिकार कर चुके थे. उपस्थित जनता अपने ही नवाब की सेना के हारने पर खुशी मना रही थी. मित्रों, कुछ महीने बाद ही भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाला है. यह चुनाव एक चुनाव मात्र नहीं है समझिए प्लासी की तरह भारत के भविष्य का निर्णय करनेवाला युद्ध है. इसमें एक तरफ वे लोग हैं जो हिन्दू धर्म के उन्नायक हैं, हिन्दू धर्म और राष्ट्र के प्रति समर्पित हैं, जो हिन्दू धर्म के गौरव की पुनर्स्थापना में लगे हुए हैं वो वहीँ दूसरी ओर वे लोग हैं जो हिन्दुओं और हिंदुत्व के धुर विरोधी हैं, जिनके माथे पर हिन्दू साधू-सन्यासियों पर भी गोली चलवाने कलंक है. कहने का मतलब यह है कि एक तरफ हिन्दुओं की पार्टी है तो दूसरी तरफ मुसलमानों की. मित्रों, इन दिनों ओवैसी जैसे कई नेता अपने भाषणों में यूपी पुलिस तक को धमका रहे हैं कि योगी को हारने दो फिर तुम्हें बताएंगे. मतलब जब पुलिस को धमका रहे हैं तो आम हिन्दुओं का ये लोग क्या करेंगे इसको बंगाल की चुनाव बाद की स्थिति को देखकर आसानी से समझा जा सकता है. इन दिनों पंजाब में भी हिन्दुओं की मोब लिंचिंग होने लगी है. केरल की दशा पहले से ही ख़राब है और कश्मीर में आज भी 32 साल पहले भगा दिए गए अभागे हिन्दू अपने घर वापस नहीं लौट सके हैं. हो सकता है कि यूपी में कहीं-कहीं रोड टूटी हुई है जो बनाई जा सकती है और बनाई भी जाएगी लेकिन अगर आपको कल घर छोड़ना पर गया तो आप न जाने कहाँ-कहाँ दर-दर की ठोकरें खाते फिरेंगे. मैंने दिल्ली में विस्थापित कश्मीरी हिन्दुओं का दर्द देखा है

देश के भाग्य का फैसला हो रहा था लेकिन लोगों के लिए जैसे यह कोई तमाशा था. फिर भगदड़ मची और सिराज के अधिकतर सैनिकों ने पाला बदल लिया. कुछ सौ अंग्रेज भारतीयों के लालच और भारतीय जनता की तटस्थता से लाभ उठाकर पूरे बंगाल, उड़ीसा और बिहार पर अधिकार कर चुके थे. उपस्थित जनता अपने ही नवाब की सेना के हारने पर खुशी मना रही थी.

संपादकीय

जटिल है असमानता का विमर्श

अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि उदारीकरण और वैश्वीकरण के लाभ तभी हमारे श्रमिकों को मिल सकते हैं जब उनकी कुशलता में सुधार आए। किंतु अकुशल एवं अर्द्ध कुशल श्रमिकों को कुशल बनाने की आशा कम से कम निजी क्षेत्र से तो नहीं की जा सकती। जाहिर है कि इसकी जिम्मेदारी सरकार को ही उठानी होगी। ऐसा लगा कि मोदी सरकार इस विषय को गंभीरता से लेगी। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के आंकड़ों के बाद भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता फिर चर्चा में है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 1 प्रतिशत सर्वाधिक अमीर लोगों के पास 2021 में कुल राष्ट्रीय आय का 22 प्रतिशत हिस्सा था, जबकि शीर्ष 10 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय के 57 प्रतिशत भाग पर काबिज थे। हमारे देश की आधी आबादी सिर्फ 13.1 फीसदी कमाती है। आर्थिक समानता हमारे संवैधानिक लोकतंत्र की समानता की अवधारणा को साकार करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। हाशिए पर धकेले गए समुदायों को समान अवसर और अधिक प्रतिनिधित्व मिले यह सुनिश्चित करने में आर्थिक समानता की बड़ी भूमिका है। आर्थिक असमानता अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना सकती है। इसके कारण स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अनुसंधान जैसे आवश्यक क्षेत्रों में निवेश में कमी आ सकती है। हाल में किए गए अध्ययनों ने यह दर्शाया है कि कोरोना काल में घटती हुई मजदूरी और आय ने कुल मांग पर विपरीत प्रभाव डाला है क्योंकि आम लोगों के उपभोग में कमी आई है। अनेक आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार कम आय में जीवन बिताने वाले बहुसंख्य लोगों की इस दशा के लिए शीर्ष पर मौजूद मुट्ठी भर लोगों के पास संपत्ति का एकत्रीकरण उत्तरदायी नहीं है। यदि इस विवादित स्थापना को स्वीकार कर भी लिया जाए तब भी इतना तो तय है कि शीर्ष के चंद लोगों के पास संपत्ति के एकत्रीकरण ने आम लोगों के जीवन स्तर और रहन-सहन तथा उन्हें मिलने वाली सुविधाओं पर विपरीत प्रभाव डाला है। जहां तक भारत का संबंध है यहां आर्थिक गैरबराबरी के लिए केवल वितरण की असमानता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। जाति प्रथा और अस्पृश्यता जैसी सामाजिक कुरीतियां तथा श्रम बाजार में जातिगत भेदभाव वे कारक हैं जो दलितों को भूमि और संपत्ति तथा उनके श्रम के उचित मूल्य से वंचित रखने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे,जेएनयू तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ दलित स्टडीज द्वारा 20 राज्यों के 110800 परिवारों को सम्मिलित करते हुए सन् 2015 से 2017 के मध्य किए गए अध्ययन के बाद संबंधित अध्ययनकर्ताओं ने अपने निष्कर्ष में बताया कि 22.3 प्रतिशत उच्चतर जातियों के हिंदुओं के पास देश की 41 प्रतिशत संपत्ति है। जबकि 7.8 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की आबादी के पास 3.7 प्रतिशत संपत्ति ही है। हिन्दू अनुसूचित जाति के लोगों के पास केवल 7.6 प्रतिशत संपत्ति ही है। अनुसूचित जाति का कोई श्रमिक सामान्य जाति के अपने समकक्ष श्रमिक की आय का केवल 55 प्रतिशत ही प्राप्त कर पाता है। श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी के मामले में वैश्विक दृष्टि से भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। वर्ष 2011-19 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यस्थलों पर महिलाओं की भागीदारी 35.8 प्रतिशत से घटकर 26.4 प्रतिशत ही रह गई। महिलाओं को मिलने वाली मजदूरी पुरुषों की तुलना में बहुत कम होती है। श्रम बाजार में लैंगिक भेदभाव इतना अधिक है कि बहुत से कार्य एवं व्यवसाय पुरुषों के लिए आरक्षित हैं। तमाम कानूनी प्रावधानों तथा सामाजिक जागरूकता अभियानों के बावजूद संपत्ति और भूमि के अधिकार से महिलाओं को वंचित रखा जाता है। महिलाएं शहरों और ग्रामों को मिलाकर हमारी कुल पेड वर्क फ़ोर्स का 18 से 19 प्रतिशत हैं। कोई महिला अपने पुरुष समकक्ष को होने वाली आय का केवल 62.5 प्रतिशत ही कमा पाती है। आदिवासी समुदाय औद्योगिक विकास से सर्वाधिक प्रभावित होता है। यह विस्थापन की मार झेलता है एवं अपने पारंपरिक व्यवसाय को त्यागने हेतु विवश होता है। स्वाभाविक रूप से आदिवासी समूहों के आय एवं जीवन स्तर में गिरावट देखी जाती है। भारतीय समाज में अंतर्निहित विसंगतियों के कारण आर्थिक असमानता का विमर्श पहले ही अनेक जटिलताओं से युक्त था। इसी दौरान नवउदारवाद और वैश्वीकरण के उभार ने ऐसी आर्थिक नीतियों को जन्म दिया जिनमें असमानता विकास प्रक्रिया का एक अपरिहार्य बाय प्रोडक्ट थी। विश्व असमानता रिपोर्ट के पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि शीर्ष पर स्थित एक प्रतिशत जनसंख्या की संपत्ति में असाधारण वृद्धि हो रही है। नवउदारवादी नीतियों के कारण शहरों में आर्थिक असमानता बढ़ी है। गांवों और शहरों के मध्य आर्थिक असमानता की खाई गहरी हुई है जिसके परिणामस्वरूप अलग-अलग क्षेत्रों में विकास की मात्रा एवं स्वरूप में गहरा अंतर पैदा हुआ है। अनेक अर्थशास्त्रियों को यह आशा थी कि नवउदारवाद और वैश्वीकरण जैसी आधुनिक अवधारणाएं भारतीय सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था से जातीय और लैंगिक गैर बराबरी को दूर करने में सहायक होंगी किंतु ऐसा हुआ नहीं। औद्योगिक संस्थानों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हमेशा प्रशिक्षित, कार्यकुशल, दक्ष एवं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों तथा श्रमिकों की आवश्यकता होती है जिनसे अधिकतम कार्य लेकर सर्वाधिक मुनाफा कमाया जा सके। निजी क्षेत्र का तर्क यह है कि सामाजिक-आर्थिक-शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (दलित-आदिवासी-महिला) में इस तरह के सुयोग्य श्रमिकों का स्वाभाविक रूप से अभाव होता है, इस कारण उन्हें निजी क्षेत्र में अवसर नहीं मिल पाता।

अयोध्या में राम नाम की लूट

उत्तरप्रदेश के चुनावों में अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को लेकर भाजपा अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगी थी। लेकिन मंदिर के नाम पर जमीन घोटाले के आरोप में भाजपा फंस गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने जब रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में फैसला दिया और मंदिर विवाद का रास्ता साफ हुआ तो उस के बाद खबर आई कि विधायकों, मेयर, आयुक्त, एसडीएम और डीआईजी के रिश्तेदारों ने अयोध्या में जमीनें खरीदी हैं। एक राष्ट्रीय अखबार की रिपोर्ट में बताया गया है कि ये जमीन महंगे दामों में ली गई हैं। वहीं महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट ने 1990 के दशक की शुरुआत में, राम मंदिर स्थल से 5 किलोमीटर से भी कम दूर बरहटा मांझा गांव और अयोध्या में आसपास के कुछ अन्य गांवों में बड़े पैमाने पर जमीन का अधिग्रहण किया था, इस जमीन में से लगभग 21 बीघा जमीन कथित तौर पर दलितों से नियमों का उल्लंघन करते हुए खरीदी गई थी। इस खबर के सामने आने के बाद योगी सरकार ने अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच बैठाई है। विशेष सचिव राजस्व जमीन खरीद मामले को लेकर जांच करेंगे और शासन को 1 हफ्ते में रिपोर्ट सौंप देंगे। लेकिन अब यह मामला धार्मिक और कानूनी सरहदों से आगे बढ़ता हुआ राजनैतिक हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मसले को एक बार फिर हिंदू और हिंदुत्व की अपनी व्याख्या जोड़ा है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया- हिंदू सत्य के रास्ते पर चलता है, हिंदुत्ववादी धर्म की आड़ में लूटता है। वहीं कांग्रेस पार्टी के महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को %चंदे की लूट% और %जमीन की लूट% पर जवाब देना चाहिए और पूरे प्रकरण की जांच करानी चाहिए। जबकि उप्र में कांग्रेस का जिम्मा संभाल रही प्रियंका गांधी ने इस मामले में एक प्रेस वार्ता में कहा कि पहले राम मंदिर के चंदे में घोटाला किया गया और अब दलितों की जमीन को हड़पा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी स्तर पर जांच हो रही है। जांच भी उच्च न्यायालय की निगरानी में की जानी चाहिए, क्योंकि राम मंदिर को बनवाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। देश भर में चंदा मांगा गया और सभी की भावनाएं हैं और वे उन भावनाओं को आहत कर रहे हैं। प्रियंका गांधी के ये इल्जाम भले ही चुनावी गणित के हिसाब से लगाए गए हैं, लेकिन इतना तो तय है कि राम के नाम पर लूट का खेल बीजेपी खेल रही है और यह अकेले अयोध्या तक ही सीमित नहीं है, इसका दायरा काशी तक फैल ही चुका है और शायद मथुरा तक भी यह बढ़ जाए। वैसे भी भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने पिछले दिनों बयान दिया है कि मथुरा भगवान कृष्ण की जन्मभूमि है और अब वहां उनका भव्य मंदिर बनना चाहिए। उनके पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी कृष्ण मंदिर की वकालत कर चुके हैं और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी बार-बार मथुरा के चक्कर काट रहे हैं। इधर काशी में पिछले दिनों काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन प्रधानमंत्री कर ही चुके हैं। जिसमें भगवान की पूजा अर्चना के साथ-साथ पूजन सामग्री के व्यापार और श्रद्धालुओं की सुख सुविधा के लिए बड़े इंतजाम किए गए हैं। हालांकि इस भव्यता की कीमत जनता की जेब से चुकाई जा रही है। बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहले मामूली रकम लगती थी, लेकिन अब इसकी भी बाकायदा रेटलिस्ट जारी हो गई है। जिसका भुगतान कम से कम गरीब के लिए संभव नहीं है। जब अयोध्या में राम मंदिर बन कर तैयार हो जाएगा, तब भी रामलला तक पहुंचने के मौके और हक शायद अमीरों को ही मिलेंगे, क्योंकि गरीब आदमी के लिए जेब ढीली कर भगवान का दर्शन भी विलासिता की तरह ही होगा। अब वो दिन शायद चले गए जब भगवान दीनवत्सल हुआ करते थे। अब भगवान के नाम पर व्यापार इस कदर बढ़ गया है कि दीन-दुखियों की जगह केवल अमीरों की पहुंच भगवान तक हो गई है। मंदिरों में दर्शन, पूजा और प्रसाद के नाम पर व्यापार तो शुरु हो ही गया है, मंदिरों के नाम पर बने न्यासों में जो लाखों-करोड़ों की कमाई होती है, उस पर भी व्यापारियों की नजर टिकी रहती है। कई मंदिर ट्रस्ट अपने खर्च पर गरीबों की पढ़ाई, इलाज जैसे काम करते हैं। मगर जिस तरह धर्म को धंधा बना लिया गया है, उसमें परोपकार के ये काम कितने देर तक चलेंगे, कहना कठिन है। अयोध्या में जिस तरह जमीन खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी का मामला उजागर हुआ है, उसे भविष्य में होने वाली गड़बड़ियों का एक संकेत समझना चाहिए। मगर ऐसा लगता नहीं कि भाजपा इस संकेत को देखना या समझना चाहती है। क्योंकि इससे उसकी हिंदुत्व की राजनीति मुश्किल में पड़ जाएगी।

महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट ने 1990 के दशक की शुरुआत में, राम मंदिर स्थल से 5 किलोमीटर से भी कम दूर बरहटा मांझा गांव और अयोध्या में आसपास के कुछ अन्य गांवों में बड़े पैमाने पर जमीन का अधिग्रहण किया था, इस जमीन में से लगभग 21 बीघा जमीन कथित तौर पर दलितों से नियमों का उल्लंघन करते हुए खरीदी गई थी। इस खबर के सामने आने के बाद योगी सरकार ने अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच बैठाई है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र को हटाने की मौजूद हैं कई वजहें

एसआईटी के ऊपर दबाव था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने जांच में देरी पर कई बार उसे फटकार लगाई थी। इसके बावजूद जांच रिपोर्ट में राजनीति देखी जा रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री और मुख्यमंत्री के टकराव वाले रिश्ते को भी इससे जोड़ा जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण वोट की चिंता है तो दूसरी ओर निजी मसले हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि राज्य की सत्ता ने पुराना हिसाब चुकता कर लिया है अब देखना है कि केंद्र की सत्ता कैसे अजय मिश्र को कैसे और कब तक बचाती है लखीमपुर खीरी कांड में उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर विपक्षी पार्टियां केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र उर्फ टेनी को बर्खास्त करने की मांग रही है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न तो उनसे इस्तीफा मांग रहे हैं और न ही उन्हें बर्खास्त कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी अजय मिश्र का बचाव इस आधार पर कर रही है कि बेटे के अपराध के लिए पिता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। गौरतलब है कि लखीमपुर में चार किसानों और एक पत्रकार को गाड़ी से कुचल कर मारने के मामले में अजय मिश्र का बेटा आशीष मिश्र मुख्य आरोपी है और गिरफ्तार है। एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में इस घटना को एक सोची-समझी साजिश का परिणाम बताया है। भाजपा और केंद्र सरकार मामले को इस तरह पेश कर रहे है, जैसे आशीष मिश्र के अपराध के लिए अजय मिश्र का इस्तीफा मांगा जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है। अजय मिश्र के बेटे किसानों को कुचल कर बाद में मारा है, उससे पहले अजय मिश्र ने किसानों को, जो उनके खिलाफ काले झंडे दिखाते हुए प्रदर्शन कर रहे थे, सार्वजनिक मंच से सबक सिखा देने की चेतावनी दी थी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र ने 25 सितंबर को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने बारे में गर्व से बताते हुए कहा था- %सिर्फ मंत्री या सांसद, विधायक भर नहीं हूं। जो लोग मेरे विधायक और सांसद बनने से पहले मेरे बारे में जानते होंगे, उनको यह भी मालूम होगा कि मैं किसी चुनौती से भागता नहीं हूं। अजय मिश्र ने अपने भाषण में आंदोलन कर रहे किसानों को चेतावनी देते हुए कहा था- %जिस दिन मैंने उस चुनौती को स्वीकार कर लिया उस दिन पलिया नहीं, लखीमपुर खीरी तक छोड़ना पड़ जाएगा, यह याद रहे।% इस भाषण के वायरल हुए वीडियो में वे यह भी कहते सुनाई दे रहे हैं कि सामना करो आकर, %हम आपको सुधार देंगे, दो मिनट लगेंगे गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र के ऊपर हत्या सहित कई दूसरे आपराधिक मुकदमे पहले से ही चल रहे हैं। उन्होंने किसानों को उन मुकदमों की याद दिलाई थी और सबक सिखा देने की चेतावनी दी थी। दरअसल अजय मिश्र का जैसा अतीत है, उसे देखते हुए उनको मंत्री बनाना ही नहीं चाहिए था, लेकिन वे भाजपा उम्मीदवार के तौर पर न सिर्फ सांसद चुने गए बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनको अपनी सरकार में मंत्री भी बना दिया। ठीक है, अगर मंत्री बना भी दिया तो इस भाषण के बाद ही उन पर कार्रवाई होनी चाहिए थी, जो कि नहीं हुई और उनके भाषण के ठीक एक हफ्ते बाद तीन अक्टूबर को उनके नाम से रजिस्टर्ड गाड़ी से किसानों को कुचल कर मार दिया गया। गाड़ी में अजय मिश्र का बेटा मौजूद था। जब राज्य सरकार की एसआईटी ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा है कि किसानों को कुचल कर मार डालने की घटना एक सोची-समझी साजिश के तहत हुई है तो यह क्यों नहीं माना जाए कि इस साजिश में मंत्री भी शामिल हो सकते हैं

अजय मिश्र का मंत्रिपरिषद से इस्तीफा इसलिए भी होना चाहिए कि एसआईटी ने अभी अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल नहीं की है, क्योंकि जांच अभी भी जारी है, जिसे प्रभावित किया जा सकता है। अजय मिश्र केंद्र सरकार के गृह राज्य मंत्री है, जो अपनी आधिकारिक हैसियत से जांच को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। उनका इस्तीफा इसलिए भी होना चाहिए कि उन्होंने अपने बेटे के कथित अपराध की एसआईटी जांच के बारे में सवाल पूछने पर एक पत्रकार को पीट दिया और मोबाइल फोन छीन लिया। सो, यह सिर्फ नैतिकता का मामला नहीं है, जिसके आधार पर मंत्री का इस्तीफा मांगा जा रहा है, बल्कि धमकी देने, मंत्री के तौर पर गलत आचरण करने और एक साजिश में शामिल होने की संभावना के कारण इस्तीफा मांगा जा रहा है। अजय मिश्र से इस्तीफा मांगे जाने या उन्हें मंत्रिपरिषद से बर्खास्त किए जाने के पर्याप्त आधार मौजूद होने के बावजूद प्रधानमंत्री ने उन्हें मंत्री बनाए रखा है और उनकी पार्टी उनका बचाव कर रही है तो सिर्फ इसलिए कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। माना जाता है कि प्रधानमंत्री ने अजय मिश्र को उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण चेहरे के तौर पर अपनी मंत्रिपरिषद में शामिल किया था। अब वे उन्हें हटा इसलिए नहीं रहे हैं, क्योंकि उनको लगता है कि उन्हें हटा देने से उत्तर प्रदेश में पहले से ही भाजपा से नाराज चल रहे ब्राह्मण समुदाय की नाराजगी और बढ़ जाएगी। यानी वे एक आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को ब्राह्मणों का नेता मान कर चल रहे हैं। सवाल है कि क्या ऐसा मान कर अजय मिश्र का बचाव करना उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण मतदाताओं का अपमान नहीं है एसआईटी के ऊपर दबाव था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने जांच में देरी पर कई बार उसे फटकार लगाई थी। इसके बावजूद जांच रिपोर्ट में राजनीति देखी जा रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री और मुख्यमंत्री के टकराव वाले रिश्ते को भी इससे जोड़ा जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण वोट की चिंता है तो दूसरी ओर निजी मसले हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि राज्य की सत्ता ने पुराना हिसाब चुकता कर लिया है अब देखना है कि केंद्र की सत्ता कैसे अजय मिश्र को कैसे और कब तक बचाती है

दोषियों को ऐसी सजा मिले जो नजीर बन जाए

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कुछ रसूखदार लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर मंदिर परिसर के आसपास की जमीनें खरीदे जाने की खबरें परेशान करने वाली हैं। अच्छा है कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अविलंब इस मामले में जांच का आदेश दे दिया है। राजस्व विभाग के स्पेशल सेक्रेटरी स्तर के अधिकारी द्वारा की जाने वाली इस जांच की रिपोर्ट एक सप्ताह में आने वाली है। स्वाभाविक ही, सबकी नजर अब इस बात पर टिकी है कि यह रिपोर्ट क्या कहती है। वैसे एक अंग्रेजी अखबार में राममंदिर के पांच किलोमीटर के दायरे में जमीन खरीदे जाने की यह खबर छपते ही विपक्ष ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया जताई। उत्तर प्रदेश में चुनाव करीब हैं, इसलिए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की भी कोशिश होगी। अगर इस मुद्दे पर सियासत की बात रहने दें तो अयोध्या में रामजन्मभूमि मंदिर देश-विदेश के करोड़ों हिंदुओं के लिए आस्था से जुड़ा एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। ऐसे में मंदिर के आसपास स्थित जमीन के मालिकों से येन-केन प्रकारेण जमीन का मालिकाना हासिल कर लेने की प्रवृत्ति के पीछे और कुछ नहीं, कमाई बढ़ाने की भावना है। सबसे बड़ी बात यह कि इसमें सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी के विधायक, मेयर और महत्वपूर्ण प्रशासनिक अधिकारियों के परिवारजनों के नाम आ रहे हैं। यानी पहली नजर में मामला सत्ताधारी पार्टी और प्रशानिक अधिकारियों की मिलीभगत से आम लोगों को औने-पौने दाम पर अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर करने का लगता है, जिसका मकसद बाद में उस जमीन से मोटी कमाई करना होगा। ध्यान रहे, अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के लिए देश और समाज का बहुत कुछ दांव पर लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जब अयोध्या में मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ, तो देश-विदेश में फैले करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं ने इसे अपनी आस्था की जीत माना था। उसके बाद बड़ी संख्या में लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए चंदा भी दिया है।

दिल की सेहत पर भारी पड़ रही डायबिटीज को लेकर लापरवाही

मधुमेह यानी डायबिटीज भले ही आज एक आम बीमारी हो गई हो, लेकिन अभी भी लोग इसके खतरे को लेकर लापरवाह बने हुए हैं.डायबिटीज कई बीमारियों की जड़ होने के साथ दिल की बीमारी, हृदय रोग जैसी समस्या की बड़ी वजह बन रही है.ऐसे में इसके प्रति गम्भीर नहीं होना जान के खतरे का सबब बन सकता है.

डायबिटीज एक प्रकार से हृदयाघात की स्थिति

राजधानी लखनऊ के डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (आरएमएलआईएमएस) में हृदय रोग विभागाध्यक्ष प्रो.भुवन चंद्र तिवारी के मुताबिक डायबिटीज का मतलब है कि एक प्रकार से आपको हृदयाघात हो गया है.यह बात डराने के लिए नहीं है, लेकिन ये चेतावनी है कि अगर आपको डायबिटीज हो गई है तो आप हाट अटैक की स्थिति में पहुंच गये हैं.इसके रिस्क फैक्टर की बात करें तो कोलेस्ट्रोल ज्यादा बढ़ जाता है, शुगर का स्तर बढ़ने के कारण रक्त गाढ़ा होना शुरू हो जाता है.ऐसी स्थिति में ब्लड का फ्लो धीमा हो जाता है.शुगर के कारण खून चिपचिपा हो जाता है.दिल की धमनियों में एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल जमा होना शुरू हो जाता है.इस एलडीएल के बढ़ने से दिल से जुड़ी परेशानी शुरू हो जाती है जो हृदय रोग का कारण बनती है.

डायबिटीज मरीज में हार्ट अटैक की सम्भावना कई गुना ज्यादा

प्रोतिवारी के मुताबिक सामान्य रोगी के मुकाबले डायबिटीज के मरीज में हार्ट अटैक होने की सम्भावना कई गुना ज्यादा होती है.इसलिए डायबिटीज को खतरे की घंटी समझना चाहिए.इसका पता लगते ही सचेत होकर अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव शुरू कर दें.ऐसा करने से हृदय रोग के के खतरे को समय रहते कम किया जा सकता है.

दिल तक रक्त पहुंचाने वाली तीनों धमनियों में कोलेस्ट्रॉल होने लगता है एकत्र

सामान्य ब्लड प्रेशर वाले मरीज या दिल के रोगी में एलडीएल किसी एक जगह या दो जगह इकट्ठा होता है.वहीं इसके मुकाबले डायबिटीज वाले मरीज में दिल तक रक्त पहुंचाने वाली तीनों धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होना शुरू हो जाता है. नसों के काफी हिस्से में समस्या होने के कारण स्थिति गंभीर हो जाती है जो दिल के दौरे की वजह के रूप में भी सामने आती है.प्रो.तिवारी कहते हैं कि सरल भाषा में कहा जाए तो अगर एक मरीज को हार्ट अटैक हुआ और एक को डायबिटीज हुई है और उसने जीवनशैली में सुधार नहीं किया है, तो दोनों इंसान एक ही स्तर पर हैं.

युवाओं में पहले की अपक्षा ज्यादा बढ़ा खतरा

उन्होंने बताया कि डायबिटीज के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे काफी बढ़ रही है. खासतौर से कम उम्र के लोगों में अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा डायबिटीज के मामले सामने आ रहे हैं. इसकी वजह से भी युवाओं में हृदय रोग में भी इजाफा देखने को मिल रहा है.

समय रहते जीवनशैली में बदलाव लाना बेहद जरूरी

डायबिटीज आनुवांशिक भी होती है.एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में यह देखने को मिलती है.इसके अलावा जंक फूड का ज्यादा प्रयोग, फिजिकल एक्टिविटी कम होना, आरामदायक जीवन शैली जैसे बड़े फैक्टर भी इस मर्ज के बढ़ने की वजह है.ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को डायबिटीज है तो ना सिर्फ उसको अपनी जीवनशैली में तत्काल बदलाव लाकर हृदय रोग के खतरे को लेकर सचेत हो जाना चाहिए बल्कि अपने बच्चों को लेकर भी सतर्कता बरतनी चाहिए. जाहिर तौर पर मां-पिता अगर ज्यादा तला-भुना खायेंगे, जंक फूड घर में लायेंगे तो बच्चे भी उसका सेवन करेंगे. मां-बाप की आदतों का असर अगली पीढ़ी पर पड़ना स्वभाविक है.ऐसे में कई बार बच्चों में माता-पिता की तरह मोटापा जैसी समस्या भी कम उम्र में देखने को मिलती है.जो आगे जाकर और गम्भीर हो जाती है.इसलिए जैसे ही किसी व्यक्ति को पता चलता है कि उसे मधुमेह है, तो न सिर्फ उसे स्वयं अच्छी जीवनशैली को अपनना चाहिए बल्कि बच्चों को इससे जोड़ना चाहिए.

हाई ब्लड शुगर से हार्ट ब्लड वेसेल्स को पहुंचता है नुकसान

केजीएमयू के हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर अरविंद मिश्रा के मुताबिक ज्यादा वक्त से डायबिटीज होने पर हाई ब्लड शुगर शरीर में मौजूद ब्लड वेसल्स, हार्ट ब्लड वेसेल्स और दिल को नियंत्रित करने वाले नर्व्स को नुकसान पहुंचा सकता है.जितना अधिक समय तक किसी व्यक्ति में डायबिटीज रहेगी, उतनी अधिक संभावना हृदय रोग की बढ़ेगी.उन्होंने बताया कि डायबिटीज की वजह से हार्ट डिजीज का खतरा युवा अवस्था से ही शुरू हो जाता है.ज्यादातर डायबिटीज के वयस्क मरीजों में मौत का कारण हार्ट डिजीज ही होते हैं.डॉ. अरविंद के मुताबिक अगर डायबिटीज को नियंत्रित रखा जाए तो दिल की बीमारी या स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है.डायबिटीज और हृदय रोग का आपस में एक-दूसरे से सम्बन्ध हैं. लगभग 80 फीसदी डायबिटीज से ग्रस्त मरीजों को दिल की बीमारी होती है.डायबिटीज की वजह से ग्रस्त कई व्यक्तियों में हार्ट डिजीज के कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं.इसलिए, इसे अक्सर साइलेंट हार्ट डिजीज भी कहा जाता है.

डायबिटीज रोगियों में दिल का दौरा पड़ने पर कई बार नहीं होता दर्द

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.जेपी सिंह के मुताबिक शहरीकरण, जीवन शैली में आया बदलाव अपने साथ कई समस्याओं का लेकर आया है.दिल इनकी वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है.डायबिटीज को लेकर सतर्क और सजग होना बेहद जरूरी है.कई बार दिल का दौरा पड़ने पर डायबिटीज? रोगियों में अन्य रोगियों के मुकाबले अधिक दर्द नहीं होता है.इसे मेडिकल भाषा में एसिम्पटोमेटिक कहा जाता है. इस तरह के मामलों में मरीज खतरा भांप नहीं पाते और समय पर इलाज नहीं मिलना भारी पड़ता है.इसलिए डायबिटीज के मरीज लापरवाही न बरतें. अगर लोग इसे लेकर जागरूक रहें तो बड़े खतरे को टाला जा सकता है.

डायबिटीज रोगियों में हार्ट अटैक के लक्षण

लम्बे समय तक डायबिटीज होने से दर्द महसूस करने वाली कोशिकाएं कमजोर हो जाती हैं.इससे हार्ट अटैक में दर्द महसूस नहीं होता है.दर्द की जगह उनकी सांसें फूलने लगती हैं और पसीना आने लगता है.इसके अलावा घबराहट होना, चक्कर आना, बेहोश होने जैसी स्थिति, अत्यधिक पसीना, कंधों में दर्द, जबड़ा और बांया हाथ में असर पड़ना, जी मिचलाना आदि प्रमुख लक्षण हैं.

सचेत होकर टाल सकते हैं खतरा

- कोलेस्ट्रॉल की समस्या स्थिति और ज्यादा घातक बना सकती है, इसलिए इसको बढ़ने न दें.
- शुगर का स्तर ज्यादा होने पर धूम्रपान नहीं करना चाहिए. धूम्रपान और डायबिटीज दोनों ही रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण करते हैं.
- समय पर खाना और थोड़ी-थोड़ी देर पर भोजन की आदत डालें.
- शुगर नियंत्रण के लिए पैदल चलें, प्रतिदिन व्यायाम जरूर करें.
- वसा युक्त और जंक फूड से दूरी बनाना बेहतर है.
- मौसमी सब्जियों-फलों का सेवन जरूर करें.

बीमारियों से लड़ने के लिए विटामिन डी है जरूरी, पहचानें कमी के लक्षण

विटामिन डी शरीर में कई जरूरी काम करता है। इनमें से कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण के बारे में ज्यादातर जिक्र किया जाता है। हमारे इम्यून सिस्टम को ठीक से चलाने में भी विटामिन डी का बड़ा रोल होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक विटामिन डी कई गंभीर बीमारियां होने से बचाता है साथ ही कई बीमारियों को सीरियस होने से भी रोकता है। कोरोना के दौरान कुछ रिसर्चेस सामने आईं जिनमें पाया गया कि आईसीयू पहुंचने वाले ज्यादातर मरीजों का विटामिन डी कम था। पहले भी कई शोध आ चुके हैं जिनमें पता चला है कि अस्थमा और फेफड़े की बीमारियों उनमें गंभीर रूप लेती हैं जिनका विटामिन डी कम होता है। इतना ही नहीं विटामिन डी आपको डिप्रेस होने से भी बचाता है। शाकाहारी लोगों के लिए हैं कम ऑप्शंस जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं हमारे शरीर मे कुछ माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और विटामिन घटने लगते हैं। विटामिन डी भी इनमें से एक है। हमारा शरीर सूरज की रोशनी में विटामिन डी बनाता है। वहीं कुछ फूड सोर्सेज से भी हमें यह विटामिन मिलता है। हालांकि शाकाहारी लोगों के लिए खाने से विटामिन डी मिलने के ऑप्शंस बेहद कम हैं। यही वजह है कि भारत की बड़ी पॉप्युलेशन में विटामिन डी और विटामिन बी 12 की कमी होती है। दिक्कत वाली बात ये है कि यहां काफी लोग बिना ज्यादा बीमार हुए रुटीन ब्लड टेस्ट नहीं करवाते जिससे कमी का पता भी नहीं चल पाता। वहीं इन विटामिन्स के कम होने के खास लक्षण भी समझ नहीं आते।

पहचानें लक्षण

यहां कुछ लक्षण हैं जो विटामिन डी की कमी की ओर इशारा करते हैं। जैसे आपको हर वक्त थका महसूस होता है, सिर पर पसीना आता है, मन दुखी रहता है, मसल्स वीक हैं, वजन बढ़ रहा है, सीढ़ियां चढ़ने-उतरने या दौड़ने में पैर दुखने लगते हैं, खांसी ठीक होने में ज्यादा वक्त लेती है वगैरह। इनमें से कोई भी लक्षण दिखें तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी टेस्ट करवाएं। उनकी सलाह पर खाने की चीजें और सप्लिमेंट्स लिए जा सकते हैं। वैसे विटामिन डी का बेस्ट सोर्स धूप है। संतरे के जूस में भी विटामिन डी पाया जाता है।

विटामिन डी की कमी से न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की संभावना

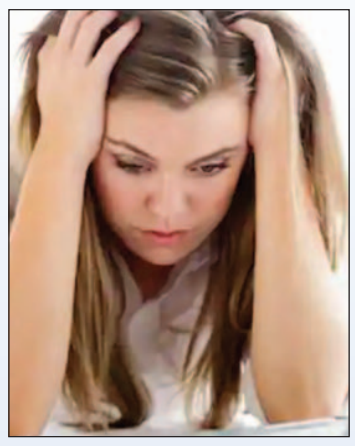

हाल ही में साइंस जर्नल नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 49 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनमें विटामिन डी की कमी है। अध्ययन के मुताबिक, ये कमी लोगों में तनाव बढ़ा रहा है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने विटामिन डी की कमी से तनाव में संबंध पाया है। विटामिन डी और मेंटल हेल्थ में क्या संबंध हैं, इसके लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं, लेकिन साइंस जर्नल नेचर में प्रकाशित हालिया अध्ययन के खुलासों ने सभी को चौंका दिया है। अध्ययन के मुताबिक भारत, अफगानिस्तान और तुनीसिया जैसे देशों की करीब 20 फीसदी आबादी विटामिन डी की कमी से जूझ रही है। इसमें अगर भारत की बात करें तो यहां करीब 49 करोड़ लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका, कनाडा और यूरोप के देशों में यह आंकड़ा क्रमश: 59 फीसदी, 74 फीसदी और 13 फीसदी है। शोधकर्ता लॉरेन हारम्स का कहना है कि विटामिन डी की कमी से न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर होने की संभावना होती है। कोरिया में हुए एक शोध में जिन लोगों को शामिल किया गया, उनमें डिप्रेशन (तनाव) के साथ-साथ विटामिन डी की कमी भी पाई गई थी। कनाडा की मेक्मास्टर यूनिवर्सिटी के शोध में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था।

लॉकडाउन में ज्यादा बढ़ी विटामिन डी की कमी

शोधकर्ताओं का मानना है कि दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन लगाना पड़ा था। इस दौरान लोगों को घरों में ही कैद होना पड़ा। लॉकडाउन के चलते लोगों में विटामिन डी की कमी और ज्यादा बढ़ गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक घर में रहने, प्रदूषण, जंक फूड खाने और पौष्टिक आहार न मिलने से भी लोगों में विटामिन डी की कमी बढ़ी है। साथ ही शोधकर्ताओं ने पाया कि विटामिन की कमी का संबंध नींद से भी है।

कई बीमारियों को कर सकता है दूर

वैज्ञानिकों के मुताबिक, विटामिन डी एक वसा घुलनशील विटामिन है, जिसे आपका शरीर स्वस्थ रहने के लिए अवशोषित और संग्रहीत करता है। यह कई शारीरिक कार्यों को पूरा करने जैसे इम्युनिटी बूस्ट करने, दांतों, मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने, मानसिक सेहत से लेकर हार्ट अटैक होने, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी हमें दूर रख सकता है।
विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की रोशनी है। इसके अलावा, मछली, संतरे का जूस, दूध और अनाज का सेवन करने से विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है। शोधकर्ताओं की मानें तो डार्क स्किन वाले लोगों में मेलानिन की कमी होती है, जिससे विटामिन डी का निर्माण कम होता है। इसलिए उन्हें धूप में ज्यादा समय रहना चाहिए।

टीका लगे लोगों को भी संक्रमित कर रहा है ओमीक्रोन

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने कहा कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप पिछले डेल्टा स्वरूप के मुकाबले बड़ी तेजी से फैल रहा है। साथ ही यह उन लोगों को भी संक्रमित कर रहा है, जिन्होंने कोरोना-रोधी टीके की दोनों खुराक ले रखी हैं या जो कोरोना बीमारी से ठीक हो चुके हैं।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयिसस ने यहां जेनेवा स्थित संगठन के नए मुख्यालय भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा स्वरूप के मुकाबले तेजी से फैल रहा है। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों को ज्यादा संक्रमित और पुनर्संक्रमित कर रहा है, जिन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की दोनों खुराक ले रखी हैं या जो कोविड से संक्रमित होकर उबर चुके हैं। डब्ल्यूएचओ के मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि यह स्वरूप कुछ प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को सफलतापूर्वक विकसित कर रहा था, जिसका अर्थ है कि कई देशों में शुरू हो चुकी बूस्टर खुराक वहां कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र वाले लोगों दी जानी चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप कुछ कोविड टीकों द्वारा निर्मित एंटीबॉडी को विकसित करने में बेहतर प्रतीत होता है। लेकिन रोग प्रतिरोधक के अन्य रूप भी हैं जो संक्रमण और बीमारी को रोक सकते हैं।

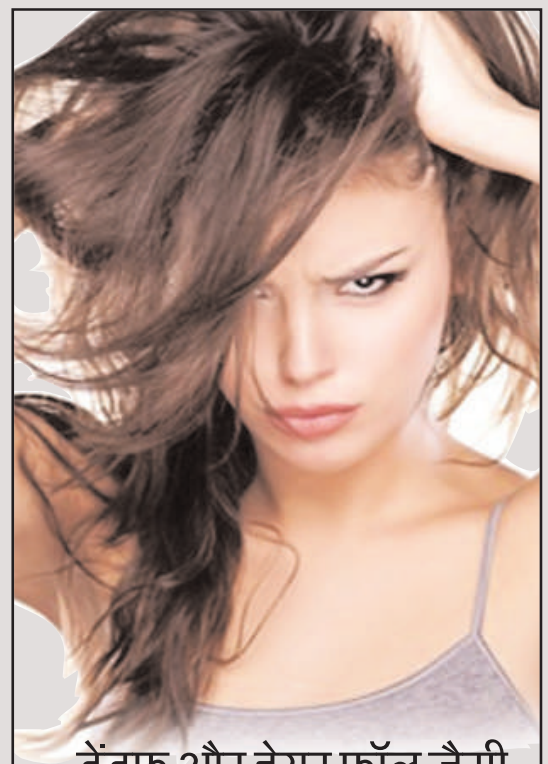

डेंड्रफ और हेयर फॉल जैसी परेशानियों से भी छुटकारा दिलाएंगे ये उपाय

यह बात हम सभी जानते है कि सर्दियों के सीजन में बालों का विशेष ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। यह सीजन बालों के लिए कई समस्या लेकर आता है। आइए आज हम आपको बताते है कुछ घरेलु उपायों को जो बालों को चमकदार, मजबूत बनाएंगे और डेंड्रफ और हेयर फॉल जैसी परेशानियों से भी छुटकारा दिलाएंगे।

नारियल तेल

नारियल तेल सिर की त्वचा के लिए बहुत ही अच्छा होता है और यह बालों में सभी प्रकार के इन्फेक्शन और डेंड्रफ की आशंका को खत्म करता है। बाल धोने से एक रात पहले नारियल के तेल से सिर और बालों में अच्छी तरह से मसाज करें। यदि आप नारियल तेल को हल्का सा गर्म करके भी सिर पर मसाज कर सकते हैं। एलोवीरा भी आपको डेंड्रफ से राहत दे सकता है।

एलोवेरा

एलोवेरा बालों से लकर त्वचा तक आपको इसके गुणों से बहुत फायदा मिल सकता है। यह खोपड़ी पर स्किन यानी त्वचा को सूखने से बचाता है। एलोवेरा जेल अपनी खोपड़ी पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर बालों को नार्मल पानी से धो लें।

दही

दही भी हमारी खोपड़ी को शुष्कता से बचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसके लिए दही 30 मिनट तक अपने सिर पर लगाकर रखें और फिर सिर को सामान्य तरीके से धो लें। दही की वजह से हम डेंड्रफ से मुक्ति मिलती है और बेहतर परिणामों के लिए आप दही में तेल मिलाकर भी सिर पर और बालों में लगा सकते हैं।

ऐपल साइडर विनेगर

ऐपल साइडर विनेगर खोपड़ी में खुजली से छुटकारा पाने के लिए एक अच्छा विकल्प है। इसका एक चम्मच लेकर उसमें चार चम्मच पानी मिलाइए। उसके बाद कपास की मदद से उसे खोपड़ी पर लगाइए। लगभग आधे घंटे तक उसे लगा रहने दें और उसके बाद बालों को किसी माइल्ड शैम्पू से धो लें। बेहद सूखी त्वचा का स्वभाव अल्कलाइन होता है जबकि इस विनेगर की मूल प्रकृति एसिडिक होती है। इसके कारण से त्वचा का पीएच संतुलन नियंत्रित रहता है।

महिलाओं में अधिक होती है मुंह में छाले की समस्या

मुंह में छाले होने एक आम सी परेशानी है। यह समस्या पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं का अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। ये छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिकधर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं। खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे। नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं। शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।

माउथवाश का प्रयोग करे

कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में फेरी में आग से 36 की मौतःनाव में 1000 यात्री थे; कुछ आग और धुएं से मारे गए, कुछ पानी में कूए

बांग्लादेश के झालाकाठी जिले में शुक्रवार सुबह एक फेरी में आग लग गई। इससे फेरी में सवार 36 लोगों की मौत हो गई है और 200 लोग घायल हो गए हैं। झालाकाठी जिले के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद नजमुल आलम ने बताया कि फेरी में करीब 1,000 लोग सवार थे और फेरी सुगंधा नदी में ढाका से बरगुना जिले की तरफ जा रही थी।

बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या

हादसा शुक्रवार सुबह बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 250 किमी दूर झालाकाठी गांव के पास हुआ। स्थानीय पुलिस चीफ मोईनुल इस्लाम ने बताया कि बीच नदी में तीन मंजिला फेरी ओभिजान में आग लग गई। हमने अब तक 36 लाश निकाली हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि कई लोग आग से मरे और कुछ लोगों की जान नदी में कूदकर डूबने से गई। आशंका है कि आग इंजन रूम से शुरू हुई और फिर पूरी फेरी में फैल गई। आग से जख्मी 200 लोगों को हमने अस्पतालों में भर्ती कराया है।

कुछ लोग ठंडे पानी में तैरकर किनारे तक पहुंचे

हादसे में सुरक्षित रहे एक यात्री सईदुर रहमान ने बताया कि सुबह करीब 3 बजे इंजन रूम में आग लग गई और तेजी से फैली। बच्चों और बुजुर्गों को मिलाकर बड़ी संख्या में यात्री फेरी में सवार थे। कई लोग पानी में कूद गए और किनारे तक पहुंचने में सफल रहे। मुझे आग लगने की दुर्गंध आई तो मैं अपने ङ्कङ्कक केबिन से बाहर निकला और आग लगी देखकर अपनी बीवी और साले के साथ ठंडे पानी में कूद पड़ा। हम लोग तैरकर किनारे तक पहुंचे।

बांग्लादेश में कुछ समय से ऐसे हादसे हो रहे हैं

जुलाई में ढाका के बाहर एक इंडस्ट्रियल टाउन रूपगंज में फूज एंड बेवरेज फैक्ट्री में आग लगने से 52 लोगों की मौत हुई थी।
फरवरी 2019 में ढाका में एक अपार्टमेंट में अवैध तरीके से केमिकल स्टोर किए गए थे, जहां आग लगने से 70 लोगों की जान गई।
अगस्त में पूर्वी बांग्लादेश में एक झील में यात्रियों से भरी नाव रेत से भरे कार्गो जहाज से टकरा गई थी, जिसमें 21 लोगों की मौत हुई।
अप्रैल और मई में दो अलग-अलग हादसों में 54 लोगों की मौत हुई।
पिछले साल जून में ढाका में एक फेरी ने सामने चल रही दूसरी फेरी को टक्कर मार दी, जिसमें 32 लोगों की मौत हुई।
फरवरी 2015 में क्षमता से ज्यादा भरे जहाज के एक कार्गो शिप से टकराने से 78 लोगों की मौत हुई।

इमरान का नया पाकिस्तान : कराची की बेकरीज का केक पर 'मैरी क्रिसमस' लिखने से इनकार

बवाल के बावजूद सरकार चुप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान में मजहबी कट्टरता इस कदर बढ़ती जा रही है कि अल्पसंख्यकों को त्योहार मनाने में भी दिक्कत आने लगी है। कराची की दो बेकरीज ने क्रिसमस केक पर 'मैरी क्रिसमस' लिखने से ही इनकार कर दिया। ये दोनों कराची ही नहीं पाकिस्तान की भी नामचीन बेकरीज मानी जाती हैं। जिस शख्स के साथ यह घटना हुई, उसने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। इसके बाद कई लोगों ने बेकरीज के बर्ताव पर सवाल उठाए हैं, लेकिन नया पाकिस्तान और मजहबी आजादी का वादा करने वाले इमरान खान और उनकी सरकार अब तक इस मामले पर चुप है।

क्या है मामला

घटना बुधवार की है। एक क्रिश्चियन व्यक्ति कराची और पाकिस्तान की मशहूर बेकरी

डेलिजिया पहुंचा। उसने एक बड़ा केक खरीदा। केक खरीदने के बाद उस शख्स ने काउंटर पर मौजूद कर्मचारी से इस पर मैरी क्रिसमस लिखने को कहा। कर्मचारी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। कहा- मैनेजमेंट की तरफ से हमें ये कहा गया है कि किसी केक पर मैरी क्रिसमस न लिखा जाए। इस क्रिश्चियन ने घर लौटकर सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा। कहा- अगर माइनोरिटीज से इतनी ही नफरत है तो फिर इन बेकरीज को क्रिसमस पर केक बनाना ही बंद कर देना चाहिए। मजहब की इतनी ही फिक्र है तो हम लोगों से पैसा भी नहीं कमाना चाहिए। एक अन्य महिला ने कराची की ही आंटी मुनव्वर बेकरी पर इसी तरह का आरोप लगाया।

बेकरी ने क्या कहा

डिलिजिया बेकरी ने आरोपों पर कहा- इसे कंपनी की पॉलिसी नहीं मानना चाहिए। यह एक कर्मचारी की गलती है। मैरी क्रिसमस का मतलब किसी को हैप्पी क्रिसमस कहना है। कंपनी अब कुछ भी सफाई दे, लेकिन सच्चाई है कि तीन साल पहले यानी 2018 में भी इसी बेकरी ने क्रिसमस केक पर मैरी क्रिसमस लिखने से इनकार कर दिया था।

कोरोना : ऑस्ट्रेलिया में पहली बार एक दिन में 8 हजार केस, इनडोर में मास्क जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना विस्फोट हुआ है। यहां पहली बार एक दिन में 8 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं। सबसे ज्यादा कोविड न्यू साउथ वेल्स में 5715 केस आए। एक व्यक्ति की मौत हुई है। राज्य के स्वास्थ मंत्री ब्रैड हैज़ार्ड के मुताबिक इनमें से 80 प्रतिशत मरीजों में ओमिक्रॉन वेरिएंट मिला है। न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया में सार्वजनिक इलाकों के इनडोर में 8 साल से अधिक उम्र के लोगों को फेस मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। ओमिक्रॉन वेरिएंट का सबसे बड़ा असर क्रिसमस और न्यू ईयर के जश्न पर पड़ता दिख रहा है। मेलबर्न के एक होटल मालिक नरेंद्र गर्ग बताते है कि लॉकडाउन से उन्हें लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। अब न्यू ईयर पार्टी की बुकिंग कैंसिल हो रही है। मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रो. विनोद मिश्रा ने भास्कर से बातचीत में कहा कि संक्रमण की दर बढ़ने के बावजूद आने वाले दिनों में हालत बिगड़ने की आशंका कम है। क्योंकि टीकाकारण की दर ज्यादा है।

ऑस्ट्रेलियाई एजेंसी ने जताई आशंका, जनवरी से रोज 2 लाख केसः- सरकार की डोहर्टी इंस्टीट्यूट ने अपने वैज्ञानिक

मॉडल के आधार पर आशंका जताई है कि संक्रमण की यही दर रहती है तो जनवरी के अंत तक ऑस्ट्रेलिया में रोज दो लाख से ज्यादा केस आने लगेंगे। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बूस्टर की अवधि छह से घटा कर पांच माह कर दी है, जबकि राज्य सरकारें इसे घटा कर तीन माह करने की अपील कर रही है।

चीनः सवा करोड़ आबादी वाले शियान में लॉकडाउन

चीन में सवा करोड़ की आबादी वाले शियान शहर में गुरुवार को लॉकडाउन लगा दिया गया है। शियान शहर में मास टेस्टिंग के दूसरे दौर में 127 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए गए थे।

अमेरिकाः 50 करोड़ मुफ्त कोरोना जांच का ऐलान

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के चलते 50 करोड़ मुफ्त कोरोना जांच का ऐलान किया है। लेकिन अमेरिका में सप्लाई लाइन बाधित होने के कारण टेस्ट किट नहीं मिल पा रहे हैं।

ब्रिटेनः क्रिसमस-न्यू ईयर पर नहीं लगेंगे प्रतिबंध

ब्रिटेन में क्रिसमस-न्यू ईयर प्रोग्राम पर रोक नहीं लगेगी। इंपीरियल कॉलेज के एक शोध के अनुसार डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन संक्रमित के भर्ती होने की आशंका 15 फीसदी से कम रहती है।

दुनियाः द.कोरिया में एक दिन में रिकॉर्ड 109 मौतें

इटलीः सार्वजनिक स्थानों में फेस मास्क लगाना फिर जरूरी। इनडोर में एफएफपी मास्क लगाना अनिवार्य।
जर्मनीः ओमिक्रॉन के बढ़ते केस के कारण चौथे डोज की सिफारिश, सरकार जल्द मंजूरी दे सकती है।
सिंगापुरः 20 जनवरी तक क्वारेंटाइन फ्री ट्रेवल पर रोक। एयरलाइंस टिकट जारी नहीं कर पाएंगी।

साल की सबसे लंबी रात के अंत का पर्व

लंदन। ब्रिटेन के सेलिसबरी में सैकड़ों लोग विश्व विरासत स्थल स्टोनहेंज में जमा हुए। मान्यता है कि साल की सबसे लंबी रात का जब अंत होता है, तब लोग सूर्य के दक्षिणायन होने का पर्व (विंटर सोल्सटिस) मनाने आते हैं। कई तो हजारों साल पुराने स्टोनहेंज के पत्थरों से भी लिपटते हैं। परंपरा है कि ऐसा करने से फसल अच्छी होती है और उन्नति भी मिलती है।

सूर्य की पहली किरण पाने की ललक

उगते सूर्य की पहली किरण पाने के लिए यहां पहुंचने वाले लोग पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके खड़े होते हैं। परंपरावादी ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते हैं।

पहली बार हॉलीवुड फिल्मों में दिखेंगे सऊदी के नजारे

कभी फिल्मों पर बैन लगाने वाला सऊदी अरब डेजर्ट का हॉलीवुड बन रहा, हर शहर में खुल रहे सिनेमा हॉल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज रियाद

सैंडस्टोन की पृष्ठभूमि में जैसे ही एक हेलीकॉप्टर उतरता है, रेत के घने बादल छा जाते हैं। यह सीन हॉलीवुड वॉर फिल्म 'कंधार' का है। पर ये शूटिंग कंधार में न होकर उससे करीब 3200 किमी दूर सऊदी अरब के अल उला में रेगिस्तान के मुहाने पर हो रही है। 80 के दशक में सिनेमा पर प्रतिबंध लगाने वाले देश में यह बदलाव हैरान करने वाला है। अब यह खुद को डेजर्ट के हॉलीवुड के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। हर शहर में सिनेमा स्क्रीन खुल रहे हैं। इसी माह की शुरुआत में जेद्दा ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल की मेजबानी की। विदेशी निर्माताओं को शूटिंग के लिए आकर्षित किया जा रहा है। 2017 तक साइंस म्यूजियम में बने देश के एक मात्र सिनेमाघर में डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाती थी। इसके अगले साल ही रियाद में अमेरिकी चेन एएमसी की एक शाखा ने मार्वल की ब्लैक पैंथर के साथ परदा उठाया। तब से अब तक 500 स्क्रीन और खुल चुकी हैं। सऊदी के इस यू-टर्न के तीन मकसद हैं, पहला तो इकोनॉमी को तेल से अलग करना, युवा आबादी को संतुष्ट रखना और अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सुधार करना। यही वजह है कि वह 2030 तक मनोरंजन उद्योग में 4.8 लाख करोड़ रुपए निवेश करने जा रहा है। उसे उम्मीद है कि लोग मनोरंजन पर खर्च 2.9 फीसदी से दोगुना बढ़ाकर 6 फीसदी कर देंगे। तब तक स्क्रीन की संख्या चार गुना बढ़ाकर 2000 करने और बॉक्स ऑफिस को 7520 करोड़ का बनाने की योजना है। इसलिए जेद्दा में फिल्म फेस्टिवल से पहले सऊदी अरब ग्रांड प्री की मेजबानी की गई। इसमें जस्टिन बीबर की प्रस्तुति भी थी। अगला कदम विदेशी निर्माताओं को लाना और उनसे सीखना है। 'कंधार' पूरी होने को है, डेजर्ट वॉरियर का बजट 1053 करोड़ रुपए है। इसके निर्माता एरिक हेदायत का कहना है, अल उला की गलियों से घिरे अंतहीन टीले, ऊबड़-खाबड़ चट्टानें लुभावना परिदृश्य बनाती हैं। यहां 'कल्पना का अरब, अफगानिस्तान या मंगल भी दिखा सकते हैं। सऊदी अरब सरकार विदेशी निर्माताओं की समस्या दूर करने की हरसंभव कोशिश कर रही है। सऊदी फिल्म कमीशन ने हाल ही में लागत पर 40 फीसदी छूट देने का ऐलान किया है। सरकारी निकाय 'फिल्म अलउला' पूल के साथ ऑफिस स्पेस बना रही है।

बोधगया के महाबोधि मंदिर में सामूहिक प्रार्थना में शामिल हुए तिब्बती बौद्ध भिक्षु।

श्रीलंका के प्रधान मंत्री महिंदा राजपक्षे अपनी पत्नी शिरंथी के साथ तिरुपति के तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा करते हैं।

बिना काम किए 5 साल ली सैलरी

कोडिंग की मदद से काम करता रहा, शिफ्ट के दौरान सोता और फिल्में देखता; कंपनी ने प्रमोशन भी दिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अगर आपको पता चले कि एक कर्मचारी बिना काम किए कंपनी से 5 साल तक सैलरी और प्रमोशन लेता रहा तो आप क्या कहेंगे। जाहिर सी बात है हर कोई कहेगा कि ऐसा कैसे हो सकता है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ऐसा हुआ है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक यूजर ने ऐसा दावा किया है। उसने बताया है कि उसे कंपनी ने जिस काम के लिए रखा था, वह सिर्फ एक कंप्यूटर कोड से अपने आप हो जाता था। उसने यह बात किसी को नहीं बताई और चुपचाप वहां 5 साल तक बिना काम किए सैलरी और प्रमोशन लेता रहा। यह राज खोलते वक्त उसने अपना नाम, कंपनी का नाम और वह किस देश में रहता है, यह नहीं बताया है। यूजर ने बताया कि उसे 2015 में एक कंपनी में डेटा एंट्री ऑपरेटर का जॉब मिला था। यूजर ने रेडिट पर लिखा कि मुझे एक ईमेल मिलता था, जिसमें ऑर्डर से जुड़ी डिटेल्स को हमारे सिस्टम में इन्फॉर्मेशन के तौर पर डालना

होता था। उसकी नाइट शिफ्ट थी। कंपनी ने रात में ऑफिस क्लीनिंग और ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बचाने के लिए उसे पहले दिन से ही वर्क फ्रॉम होम दे दिया था।

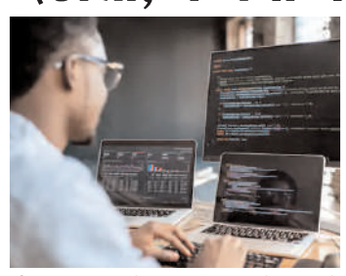

डेवलपर से बनवाई कोडिंग

यूजर ने बताया कि ट्रेनिंग के बाद ही वह समझ गया था कि जिस काम के लिए उसे हायर किया गया है, वह सिर्फ एक कोड के जरिए ही कर सकते हैं। उसे कोडिंग नहीं आती थी। ऐसे में उसने कोड बनाने के लिए एक फ्रीलांसर डेवलपर से कॉन्टैक्ट किया। उसने एक कोड बना कर दिया। कोड बनाने वाले को उसने अपनी 2 महीने की सैलरी के बराबर पेमेंट किया।

काम के वक्त फिल्में देखता और सोता

यूजर ने बताया है- पहले 2 साल के दौरान मैं डेली यह चेक करता रहता था कि क्या कोई ऐसी चीज है, जिसे यह कोड नहीं कर पा रहा है। आमतौर पर यह चेक करने में 5 मिनट लगते थे। इसके बाद मैं कंप्यूटर को यूं ही चलते हुए छोड़ देता था। इस दौरान मैं फिल्में देखता था, सो जाता था या कई बार तो बाहर भी चला जाता था। बाद में मैंने उन कामों को भी कोड में जोड़ लिया, जिसके लिए मुझे 5 मिनट तक कंप्यूटर को चेक करना पड़ता था। यूजर ने बताया कि कंपनी ने उसके %शानदार काम% के लिए उसे कई बार प्रमोशन भी दिया। बीच में दूसरी कंपनी से भी जॉब के ऑफर आए, लेकिन उसने उन्हें ठुकरा दिया। यूजर ने कहा कि मेरे पास जॉब छोड़ने का कोई कारण नहीं था। बिना काम किए मुझे सैलरी मिल रही थी।

न्यूज ब्रीफ

पेले को अस्पताल से मिली छुट्टी, जारी रहेगा इलाज

साओ पाउलो। ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले को साओ पाउलो के अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा। अस्पताल ने एक बयान में कहा, 'एडसन अरांतेस दो नासिमेंतो को इसरेलिटा अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल से गुरूवार को छुट्टी दे दी गई। इसने आगे कहा, 'मरीज की हालत स्थिर है और उनका कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा। पेले को दिसंबर की शुरूआत में कीमोथेरेपी के लिए भर्ती कराया गया था। इससे पहले ट्यूमर निकालने के लिए सर्जरी के कारण वह एक महीना अस्पताल में रहे थे। पेले ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी जवानी की फोटो डालकर कहा, 'यह मुस्कुराती तस्वीर किसी कारण से है। जैसा कि मैने कहा था कि क्रिसमस अपने परिवार के साथ मनाऊंगा। मैं घर आ रहा हूं। सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद।

कप्तानी से हटाए जाने की अफवाहों पर जो रूट का बड़ा बयान, कहा- इस बात की है चिंता

मेलबर्न। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के बाद अपनी कप्तानी गंवाने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें केवल 26 दिसंबर से शुरू हो रहे एमसीजी में अगला मैच जीतने की चिंता है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में महमान टीम 0-2 से पीछे चल रही है। गाबा में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट जबकि एडिलेड ओवल में दूसरे टेस्ट में 275 रन से जीत दर्ज की थी। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत के दौरान रूट ने कहा, केवल एक चीज जिसे लेकर मैं चिंतित हूं वह है जीत। अच्छी शुरुआत (मेलबर्न में) और यह सुनिश्चित करना कि हम पहले घंटे को सही करें। इससे आगे देखना कठिन है। कप्तान ने एडिलेड में हार के बाद अपनी टिप्पणी को भी स्पष्ट किया, जहां उन्होंने तेज गेंदबाजों विशेष रूप से स्टुअर्ट ब्रॉड, जिमी एंडरसन और बेन स्टोक्स को शॉर्ट-पिच डिलीवरी के लिए दोषी ठहराया था, भले ही उन्होंने खुद उनके लिए गेंदबाजी करने के लिए मैदान निर्धारित किया था। रूट के हवाले से कहा गया कि मुझे लगता है कि कई मौकों पर हमें वह थोड़ा गलत लगा। ऐसा नहीं है कि आप हमारे गेंदबाजों को अकसर दोष दे सकते हैं क्योंकि वे असाधारण हैं। यह एकल खिलाड़ियों के बारे में नहीं है या हमारे समूह के एक विभाग पर दोष लगाने की कोशिश कर रहा है, सामूहिक रूप से हम काफी अच्छे नहीं थे। कप्तान ने यह भी कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में बदलाव पर बोलते हुए कहा कि ये कुछ खिलाड़ियों में विश्वास की कमी का प्रतिबिंब नहीं होगा। रूट ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक ऐसी टीम चुनते हैं जो हमें लगता है कि जीतने जा रही है।

केएल राहुल का बड़ा खुलासा : BCCI TV पर मयंक अग्रवाल से बोले-

6-7 महीने पहले लगा कि अब मैं कभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाउंगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर से टेस्ट सीरीज का आगाज हो रहा है। इससे पहले BCCI TV ने टेस्ट टीम के उपकप्तान केएल राहुल का इंटरव्यू शेयर किया है। राहुल का इंटरव्यू टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने लिया। मयंक ने जब राहुल से उपकप्तानी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, छह सात महीने पहले मुझे लगता था कि मैं अब कभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलूंगा, लेकिन जल्दी ही चीजें बदल गई और इससे मैं बहुत खुश हूं। उपकप्तानी की जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। केएल ने कहा, मुझे एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं अपना बेस्ट देने के लिए तैयार हूं। मेरा एक ही लक्ष्य है कि मैं टीम के टारगेट को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ लगा दूं।

आईपीएल में कप्तानी के कारण आने लगे हैं सफेद बाल

इंटरव्यू के दौरान मयंक ने राहुल से पूछा कि आपके बाल तो सफेद होने लगे हैं। इस पर

उन्होंने मजेदार जवाब दिया। राहुल ने कहा, मेरे सफेद बाल आईपीएल में कप्तानी के कारण आने लगे हैं। अभी तक टीम इंडिया की जिम्मेदारी से तो ये नहीं हुआ है, लेकिन होता है तो मुझे और अच्छा लगेगा। भारत की उपकप्तानी सब लेना चाहते हैं। ऐसे में सफेद बालों की चिंता नहीं होती। सेंचूरियन में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट को लेकर राहुल ने कहा, मेरी बॉक्सिंग डे टेस्ट की खट्टी-मीठी यादें हैं। मैंने बॉक्सिंग डे टेस्ट से ही डेब्यू भी किया था। हालांकि, मैच में ज्यादा अच्छा नहीं खेल पाया था। फिर बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद ही मेरी टीम से छुट्टी हुई और मेरी जगह मयंक तुम टीम में आए। मैं जानता था कि मैं टीम से निकलने वाला हूं, क्योंकि मैंने रन नहीं बनाए थे। राहुल और मयंक दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों कर्नाटक के लिए साथ ही क्रिकेट खेलते थे। अपने सफर के बारे में राहुल ने बताया, %खूबसूरत सफर रहा है। तुमको तो सब पता है। हम दोनों ने ही न तो इसका सपना देखा था और न ही सोचा था कि साथ-साथ खेलेंगे। हां, भारत के लिए खेलने का सपना था और इसके लिए कड़ी मेहनत की है, लेकिन पीछे मुड़कर देखते हैं तो सब कुछ बहुत शानदार और जादुई लगता है।

ऋषभ पंत तोड़ेंगे धोनी का रिकॉर्ड

विकेट के पीछे बस 3 शिकार कर रचेंगे इतिहास

सेंचुरियन में खेला जाएगा पहला टेस्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 26 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। दरअसल, बतौर विकेटकीपर पंत ने 25 टेस्ट मैचों में 97 शिकार किए हैं। सेंचुरियन में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच में अगर वह तीन शिकार करने में कामयाब रहे, तो सबसे तेज 100 डिस्मिसल करने वाले भारतीय विकेटकीपर जाएंगे।

धोनी ने 36 टेस्ट में बनाया था रिकॉर्ड

एमएस धोनी ने 36 टेस्ट मैचों में 100 विकेट पूरे किए थे। अगर पंत पहले मुकाबले में ऐसा करने में सफल होते हैं, तो धोनी से 10 टेस्ट मैच कम में यह रिकॉर्ड बना लेंगे। फिलहाल भारत के लिए धोनी के नाम पर सबसे तेज 100 शिकार करने का रिकॉर्ड है। उनके बाद ऋद्धिमान साहा (37 टेस्ट) का नाम दूसरे पायदान पर आता है। तीसरे स्थान पर किरन मोरे (39 टेस्ट), चौथे पर नयन मोंगिया (41) और 5वें पर सैयद किरमानी ने (42 टेस्ट) का नाम आता है। वहीं, अब पंत के पास सबसे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऋषभ पंत का पिछले एक साल में प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पंत ने अपने प्रदर्शन से सभी को खासा प्रभावित किया था। सिडनी टेस्ट को ड्रॉ कराने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। पंत ने मुश्किलों हालातों में 97 रन की पारी खेली थी। इसके बाद ब्रिस्बेन टेस्ट में भी उनके बल्ले से मैच जिताऊ पारी देखने को मिली थी। ऋषभ ने 138 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 89 रन बनाए थे और भारत को अंतिम दिन मुकाबला जिताया था। उनके इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2-1 से ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती थी । उनके इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें ड्रष्टष्ट मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। साल 2021 में पंत ने 11 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 41.52 की औसत से कुल 706 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 101 रन रहा, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले चौथे टेस्ट में बनाया था।

अश्विन के बयान पर पूर्व कोच की प्रतिक्रियाःशास्त्री बोले-

मेरे बयान से ठेस पहुंची तो अच्छी बात, अश्विन अलग करने के लिए प्रेरित हुए

> अगर आपका कोच आपको चुनौती देता, तो आप क्या करोगे। रोते हुए घर चले जाओगे और कहोगे कि मैं वापस नहीं आऊंगा। मैं तो एक खिलाड़ी के तौर पर इसे चुनौती के रूप में लेता, ताकि कोच को गलत साबिक कर सकूं।
>
> **रवि शास्त्री, टीम इंडिया के पूर्व कोच**

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर अश्विन को उनकी बातों का बुरा लगा तो यह अच्छा है। अश्विन ने हाल में दिए इंटरव्यू में कहा था कि साल 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनकी बजाय कुलदीप यादव को ज्यादा मौके मिले। इतना ही नहीं, अश्विन ने कहा था कि तत्कालीन कोच शास्त्री ने कुलदीप को विदेशों में नंबर-1 स्पिनर बताया था। शास्त्री ने अश्विन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ई अड्डा में कहा- अश्विन ने सिडनी टेस्ट नहीं खेला और कुलदीप यादव ने अच्छी गेंदबाजी की, इसलिए यह उचित था कि कुलदीप को मौका दिया जाएग। अगर मेरे किसी बयान से अश्विन को ठेस पहुंची या उन्हें बुरा लगा तो मैं इससे बहुत खुश हूं। इसने अश्विन को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया। मेरा काम यह नहीं है कि हर किसी के टोस्ट पर मक्खन लगाऊं। मेरा काम बिना किस एजेंडे के तथ्यों को सामने रखना था। उन्होंने आगे कहा कि अगर आपका कोच आपको चुनौती देता, तो आप क्या करोगे। रोते हुए घर चले जाओगे और कहोगे कि मैं वापस नहीं आऊंगा। मैं तो एक खिलाड़ी के तौर पर इसे चुनौती के रूप में लेता, ताकि कोच को गलत साबित कर सकूं। शास्त्री ने विराट कोहली और ड्रष्टष्टड्ड के बीच विवाद पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि इस मुद्दे को बेहतर तरीके से सुलझाया जा सकता था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन, प्रिटोरिया, दक्षिण अफ्रीका में अपने पहले टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र के दौरान राष्ट्रीय भारतीय क्रिकेटर।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

2018 में SA से सीरीज हार के बाद कोहली के बयान ने टीम इंडिया को क्वॉलिटी से भरपूर टीम बना दिया : एलन डोनाल्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज शुरू होने से पहले अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने कहा कि भारतीय टीम के उच्चतम स्तर तक पहुंचने में कोहली का 2018 में दिए गए बयान का काफी रोल है। कोहली ने साल 2018 साउथ अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद कहा था कि महान टीम वही होती है, जो घर से दूर सीरीज जीतती है। डोनाल्ड ने कहा कि उसके बाद टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंची। उन्होंने कहा, %कुछ साल पहले कोहली की टिप्पणी थी कि यदि आप घर से दूर नहीं जीतते हैं तो आपको कभी भी एक महान टीम के रूप में याद नहीं किया जाएगा। टीम इंडिया ने वास्तव में काम किया है। आपने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में जीतते हुए देखा और WTC (वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप) के फाइनल में भी। यह एक क्वालिटी भारतीय टीम है जो यहां है। मैं अब सीरीज देखने के लिए उत्सुक हूं। मुझे 2015 में कोहली द्वारा कही वो बातें याद हैं जब उन्होंने मुझसे कहा था कि भारत दुनिया की नंबर 1 टेस्ट टीम बन जाएगा और वह गलत नहीं था।

> भारत और साउथ अफ्रीका टीम के पास बॉलिंग लाइन अप काफी अच्छा है। युवा बल्लेबाजों की असली परीक्षा भारतीय गेंदबाजों के सामने है।
>
> **एलन डोनाल्ड, साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज**

अफ्रीका के बल्लेबाजों की असली परीक्षा भारतीय गेंदबाजों के सामने

डोनाल्ड ने कहा कि भारत और साउथ अफ्रीका टीम के पास बॉलिंग लाइन अप काफी अच्छा है। पिछले दौरे में शामिल कई बल्लेबाज टीम में नहीं हैं। युवा बल्लेबाजों की असली परीक्षा भारतीय गेंदबाजों के सामने है। अगर युवा बल्लेबाज अच्छा स्कोर करते हैं और भारतीय गेंदबाजों को चुनौती दे पाते हैं, तो अफ्रीकी गेंदबाज भी भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देने में सक्षम हैं। अफ्रीकी टीम की बॉलिंग लाइन अप अभी काफी अच्छी है। कोहली ने साउथ अफ्रीका दौरे पर जाने से पहले प्रेस वार्ता में कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार से भारतीय टीम के लिए एक नए युग की शुरुआत हुई। टीम ने उस सीरीज में की गई गलतियों से सीखा और विदेशी परिस्थितियों में अच्छा क्रिकेट खेलने के लिए कई सुधार किए। हमने ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीती और उसके बाद इंग्लैंड में आगे रहे। उन्होंने कहा कि इस बार हम अफ्रीका को उसके घर में चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

न्यूज ब्रीफ

कोयला उत्पादन में 2022 के दौरान खासी वृद्धि होने की उम्मीद

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) के साथ-साथ कैप्टिव खदानों के उत्पादन में भी वृद्धि होने से 2022 में देश के कोयला उत्पादन में बड़ा इजाफा होने की उम्मीद है। कोयले की आपूर्ति हाल के दिनों में स्थिर हुई है और अब ईंधन की आपूर्ति को और बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा कि बिजली संयंत्रों को अब उनकी जरूरतों की तुलना में थोड़ा अधिक कोयला मिल रहा है। कोयला सचिव अनिल कुमार जैन ने कहा कि 2015-2020 के बीच नीलाम किए गए कैप्टिव कोयला ब्लॉक, व्यावसायिक खदानें जिन्हें पिछले वर्ष बिक्री के लिए रखा गया था उनसे तथा कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) से अधिक उत्पादन होने से कोयला उत्पादन में वृद्धि होगी। जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''अगले वित्त वर्ष 2022-23 में हम कोयला उत्पादन में खासी वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में सीआईएल ने लगभग 59.6 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। चालू वित्त वर्ष में अबतक 64 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया जा चुका है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा, देश की मौद्रिक नीति वित्तीय रूप से समावेशी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश की मौद्रिक नीति वित्तीय आधार पर समावेशी रूप से तैयार की गई है। पात्रा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम, अहमदाबाद) में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आरबीआई के वित्तीय समावेशन सूचकांक का स्तर मार्च 2019 के 49.9 से बढ़कर मार्च 2020 में 53.1 हो गया है। वही मार्च 2021 में यह और बढ़कर 53.9 पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, ''वित्तीय समावेश में वृद्धि के प्रमाण अभी आकार ले रहे हैं और इसके विश्लेषण से मजबूत निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी हो सकती है। हालांकि भारत की मौद्रिक नीति वित्तीय रूप से समावेशी है और भविष्य में इस रणनीति के लाभ मिलेंगे।''

बढ़ती मांग से रिफाइंड सोया वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार की मांग बढ़ने के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में शुक्रवार को रिफाइंड सोया तेल की कीमत पांच रुपये की तेजी के साथ 1 एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोया तेल के जनवरी, 2022 माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत पांच रुपये अथवा 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,170 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 29,510 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

फंड इंडस्ट्री का सबसे बड़ा सौदा

एचएसबीसी ने एलएण्डटी म्यूचुअल फंड को खरीदा, 3,200 करोड़ रुपए में हुई डील

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वैश्विक स्तर की बड़ी फाइनेंशियल कंपनी एचएसबीसी ने एलएण्डटी म्यूचुअल फंड को खरीद लिया है। यह डील 3,200 करोड रुपए में हुई है। भारतीय फंड इंडस्ट्री में यह अब तक का सबसे बड़ा सौदा है।

देर रात हुई घोषणा

एचएसबीसी ने इसकी देर रात घोषणा की। इस डील के बाद एचएसबीसी म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में 12 वें नंबर की कंपनी बन जाएगी। देश में कुल 43 फंड हाउस हैं। सितंबर तिमाही के अंत तक एलएण्डटी म्यूचुअल फंड के पास कुल 80,300 करोड़ रुपए का असेट अंडर मैनेजमेंट था रू का मतलब निवेशकों की जितनी रकम फंड हाउस के पास होती है। एचएसबीसी का एयूएम 11,300 करोड़ रुपए था। इस तरह से दोनों का एयूएम मिलाकर 92 हजार करोड़ रुपए के पार हो जाएगा। एचएसबीसी ने एलएण्डटी को कुल एयूएम की तुलना में 4 फीसदी रकम चुकाकर उसे खरीदा है। अमूमन म्यूचुअल फंड में कुल एयूएम के करीबन 5 फीसदी पर डील होती है। हालांकि इस समय के माहौल में 4 फीसदी की यह डील अच्छी डील मानी जा रही है।

कई कंपनियों ने कारोबार समेटा

हाल के सालों में तमाम ग्लोबल फाइनेंशियल कंपनियों ने भारत में अपने फंड कारोबार को समेट दिया है। इसमें हालिया डील प्रिंसिपल म्यूचुअल फंड की हुई थी। इसके पहले जेपी मोर्गन, डच बैंक, गोल्डमैन सैश, फिडिलिटी और मोर्गन स्टेनली जैसे बड़े ब्रांड शामिल हैं। अमेरिकन फाइनेंशियल कंपनी इन्वेस्को ने रेलिगेयर को 2018 में खरीद लिया था। यह एकमात्र अपवाद वाली डील रही है।

L&T के पास 80,300 करोड़ रुपए AUM है

HSBC के पास 11,300 करोड़ रुपए

कुल AUM की तुलना में 4% पर डील हुई है

सभी असेट्स खरीदेगी

एचएसबीसी की डील के मुताबिक, वह एलएण्डटी की सभी असेट्स खरीदेगी, जिसमें स्कीम से लेकर AMC का पूरा बिजनेस होगा। एचएसबीसी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हितेंद्र दवे ने बताया कि इस सौदे से उसे भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने में मदद मिलेगी और साथ ही कंपनी लगातार अपनी ग्रोथ को बढ़ाएगी।

रेगुलेटरी मंजूरी लेनी होगी

हालांकि इस सौदे के लिए अभी कई सारी रेगुलेटरी मंजूरी भी लेनी होगी। दिलचस्प बात यह है कि 10 साल पहले एलएण्डटी म्यूचुअल फंड ने फिडिलिटी के भारतीय बिजनेस को खरीदा था। उसके बाद से यह कंपनी लगातार ग्रोथ कर रही थी। पिछले 10 सालों में तमाम ग्लोबल फंड हाउस भारत से निकल गए। इसमें 2013 में HDFC म्यूचुअल फंड ने मोर्गन स्टेनली के फंड बिजनेस को खरीदा था।

डाइवा को ख़रीदा था SBI ने

इसी तरह देश के सबसे बड़े फंड हाउस SBI म्यूचुअल फंड ने डाइवा को खरीदा था जबकि 2014 में कोटक म्यूचुअल फंड ने पाइन ब्रिज को खरीदा था। आदित्य बिड़ला ने ING म्यूचुअल फंड को खरीदा था। 2015 में रिलायंस म्यूचुअल फंड ने गोल्डमैन सैश के भारतीय बिजनेस को खरीदा था। जबकि प्रमेरिका ने डच फंड हाउस को खरीदा था। 2016 में एडलवाइस ने जेपी मोर्गन को और सुंदरम ने इसी साल प्रिंसिपल म्यूचुअल फंड को खरीदा था।

महाराष्ट्र में अखबारी कागज में खाना देने पर पाबंदी:राज्य के FDA ने कहा- इसकी स्याही जहरीली होती है; कैंसर तक हो सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाने के सामान को अखबारी कागज में देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि अखबारी कागज में खाने का कोई भी आइटम न बेचा जाए, क्योंकि इसकी स्याही सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। राज्य के सभी कारोबारियों को खाने का सामान अखबारी कागज में देने पर तुरंत रोक लगाने का आदेश दिया गया है। खासकर वड़ा पाव, पोहा, मिठाई और भेल

FSSAI ने 2016 के आदेश में कहा था अखबार की स्याही के संपर्क में आया खाना खाने से सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है

जैसे सामान, जो ठेले पर बिकते हैं, वहां प्लेट की जगह अखबार के कागज का ही इस्तेमाल किया जाता है। नए आदेश के मुताबिक अखबारी कागज में सामान देने पर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क किनारे ज्यादातर आइटम कागज पर मिलते हैं

दरअसल सड़क किनारे बिकने वाले खाने के ज्यादातर आइटम कागज में ही लपेटकर दिए जाते हैं। FDA ने कहा कि इसे अगर तुरंत बंद नहीं किया जाता है तो कड़ी कार्रवाई के लिए विक्रेता तैयार रहें। स्वष्ठ ने आदेश में कहा कि अखबारी कागज में जो स्याही इस्तेमाल की जाती है, उसमें केमिकल की मिलावट होती है। इसलिए इस तरह के कागज में खाने वाले आइटम नहीं दिए जा सकते हैं। FDA के संयुक्त आयुक्त शिवाजी देसाई ने कहा कि 2016 में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पूरे देश के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। इस एडवाइजरी में फूड आइटम को अखबारी कागज में लपेटने पर बैन लगाया गया था। हमें इस संबंध में काफी शिकायतें मिली हैं कि अभी भी न्यूजपेपर में खाने वाले आइटम दिए जा रहे हैं। इसलिए यह आदेश जारी किया गया है।

डाटा पैटर्न्स के शेयर 48 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रक्षा और वैमानिकी क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की आपूर्ति करने वाली डाटा पैटर्न्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 585 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 48 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 47.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 864 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। वही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 46.33 प्रतिशत की छलांग के साथ 856.05 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरूआती कारोबार के दौरान 4,190.37 करोड़ रुपये हो गया है। डाटा पैटर्न्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह निर्गम के अंतिम दिन 119.62 गुना अभिदान मिला था।

इस साल बाजार गुलजार, शायद आगे न करे मालामाल!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

साल 2021 शेयर बाजार के लिए उमंग भरा रहा। शेयर की कीमतें अपने सर्वकालिक स्तर पर पहुंच गईं और प्राथमिक बाजार में आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) की बाढ़ सी आ गई। इनमें कई आईपीओ को अभूतपूर्व सफलता मिली और वे मोटी रकम जुटाने में सफल रहे। बाजार को ऊंची छलांग लगाते देख डीमैट खाते खुलवाने वाले लोगों की लंबी कतार लग गई जो पहले कभी नहीं दिखी थी। हालांकि नया साल थोड़ा अलग रह सकता है। कई ऐसे घटनाक्रम हैं जो अगले वर्ष बाजार की चाल पर लगाम लगा सकते हैं। कोविड-19 महामारी के बाद लोगों एवं अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए किए गए उपाय अब धीरे-धीरे वापस लिए जाने की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच ओमीक्रोन संक्रमण से हालात फिर गंभीर होते जा रहे हैं। भारतीय शेयरों के महंगे मूल्यांकन को लेकर जताई जा रही चिंता से भी उत्साह फीका पड़ सकता है। 2021 में बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 29.4 प्रतिशत उछल कर 18 अक्टूबर को 61,766 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 32.2 प्रतिशत उछल कर 18,477 पर पहुंच गया। निफ्टी मिड-कैप 100 सूचकांक 58.5 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉल-कैप 100 सूचकांक 66 प्रतिशत तक चढ़ गए। इस वर्ष सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजकरण 1 लाख करोड़ डॉलर से भी अधिक बढ़कर 3.56 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। भारत बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया के शीर्ष पांच देशों की सूची में शुमार होने की दहलीज पर आ पहुंचा। अक्टूबर में भारत और ब्रिटेन के बीच अंतर 3 प्रतिशत से भी कम रह गया था।

83 होगी साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फिल्म कारोबार के विश्लेषक 83 के वर्ष 2021 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर रहने का अनुमान जता रहे हैं। यह फिल्म 5,512 स्क्रीन पर रिलीज होने जा रही है और वितरक अब भी और स्क्रीनों पर रिलीज करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। 83 गुरुवार को 80 देशों में 1,512 स्क्रीन पर रिलीज की गई। शुक्रवार को यह भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ समेत पांच भाषाओं में 4,000 स्क्रीन पर 2डी और 3डी दोनों में दिखाई जाएगी। तीसरी लहर का खतरा मंडराने और बहुत से राज्यों के क्षमता के प्रतिबंध दोबारा लगाने की योजना बनाने के बावजूद इतनी स्क्रीन की संख्या बड़ी रिलीज को दिखाती है। वितरक आखिरी मौके तक और स्क्रीनों से करार के लिए बातचीत कर रहे हैं, खास तौर पर इसलिए क्योंकि स्पाइडरमैन और पुष्पा ने अपने पहले हफ्ते में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन 83 पहले ही सूर्यवंशी से ज्यादा बड़ी रिलीज है, जो इस साल 3,519 स्क्रीनों पर दिखाई गई थी। विदेशी बाजार के लिहाज से 83 अब तक किसी बॉलीवुड फिल्म की सबसे बड़ी वैश्विक रिलीज

है। यह अक्षय कुमार अभिनीत सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोडने जा रही है। सूर्यवंशी 2021 की ऐसी पहली फिल्म थी, जिसे महाराष्ट्र और मुंबई में सिनेमाघरों के महीनों बंद रहने और 50 फीसदी क्षमता पर खुलने के बाद रिलीज किया गया था। इस फिल्म को 66 देशों में 1,300 स्क्रीन पर दिखाया गया था। 83 की योजना चार साल पहले बनी थी और यह अप्रैल 2020 में रिलीज होनी थी। इसमें रणवीर सिंह क्रिकेटर और कप्तान कपिल देव की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म भारतीय क्रिकेट टीम की यात्रा बताती है, जिसे टूर्नामेंट में कमजोर माना जा रहा था मगर उसने वेस्टइंडीज जैसी प्रबल दावेदार को पछाड़कर भारत को पहला विश्व कप जिता दिया। इसने क्रिकेट के इतिहास में भारत का स्थान बदल दिया। रिलायंस एंटरटेनमेंट, दीपिका पडुकोणे और साजिद नडियादवाला की अगुआई में निर्माताओं ने पहले इसे ओटीटी प्लेटफॉर्मों को बेचने के बजाय रिलीज टालने का मुश्किल फैसला लिया था। हालांकि इस देरी के कारण ब्याज लागत और प्रचार एवं विपणन खर्च से फिल्म का बजट बढ़कर करीब 270 से 280 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।